RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com मंगलवार , 11 अगस्त 2026 | वर्ष: 04, अंक: 142 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

झारखंड विधानसभा गेट के पास लाठीचार्ज: छात्रों को पुलिस ने खदेड़ा

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच हुई झड़प

रांची/एजेंसी

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शनकारी विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे और उन्होंने कई बैरिकेड तोड़ दिए। जगन्नाथपुर मंदिर के पास अंतिम बैरिकेड पर पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसी दौरान स्थिति बिगड़ गई और पुलिस ने पानी की बौछार के बाद लाठीचार्ज किया। कई प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कार्रवाई में घायल होने का दावा किया है।

बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़े छात्र, पुलिस ने संभाला मोर्चा

विधानसभा मार्च सुबह करीब 10:30 बजे पुराने विधानसभा भवन के बाहर से शुरू हुआ। भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन सोमवार को 17वें दिन में प्रवेश कर गया। प्रदर्शनकारी हाथों में तिरंगा और पोस्टर लेकर विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में लगाए गए एक के बाद एक कई बैरिकेड तोड़ दिए। सुरक्षा में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती के बावजूद छात्रों का मार्च आगे बढ़ता रहा।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुआ उग्र: 1500 से ज्यादा जवान संभाल रहे हैं मोर्चा

एंबुलेंस से मार्च में पहुंचे देवेंद्र नाथ महतो

भर्ती परीक्षा विवाद को लेकर नौ दिनों से अनशन कर रहे खछड्ट नेता देवेंद्र नाथ महतो भी एंबुलेंस से विधानसभा मार्च में शामिल हुए। उनके हाथ में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की तस्वीर भी दिखाई दी। महतो ने विधानसभा मार्च के रास्ते में तारबंदी वाली बैरिकेडिंग लगाए जाने पर सवाल उठाया और कहा कि छात्रों के साथ कथित अन्याय को लेकर उनमें आक्रोश बढ़ रहा है।

क्या बोले रांची एसपी?

रांची सिटी एसपी पारस राणा ने कहा कि 90% छात्र शांतिपूर्ण हैं, लेकिन कुछ छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ी और पुलिसकर्मियों को नुकसान पहुंचाया। संयम बरतने का दावा करते हुए छात्रों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और पत्थरबाजी नहीं करने की अपील की।विधानसभा मार्च को देखते हुए करीब चार किलोमीटर लंबे रास्ते पर भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

झारखंड सरकार ने युवाओं के साथ किया अन्याय: निशिकांत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को झारखंड की वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड के युवाओं और छात्रों के साथ कांग्रेस, झामुमो और राजद ने घोर अन्याय किया है। योग्य अभ्यर्थियों को दरकिनार कर अपने परिजनों और रिश्तेदारों को नौकरियां बांटी गई हैं। निशिकांत दुबे ने आज संसद परिसर के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) मामले और विपक्ष के आरोपों पर जोरदार हमला बोला है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन में भाजपा की सहभागिता पूरी तरह से युवाओं के समर्थन में है और पार्टी मानसिक तथा शारीरिक रूप से प्रदर्शनकारियों के साथ खड़ी है।

पानी की बौछार के बाद हुआ लाठीचार्ज

जगन्नाथपुर मंदिर के पास पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारी पीयूष कुमार सोनी ने पुलिस कार्रवाई को बर्बर बताते हुए दावा किया कि कई महिला छात्रों को भी चोटें आई हैं। वहीं हजारीबाग से मार्च में शामिल हुए विक्रम कुमार ने सिर में चोट लगने का दावा किया।

राहुल ने छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग को बताया गलत

नई दिल्ली। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को गलत बताते हुए राज्य सरकार से छात्रों की बात सुनने और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान करने की अपील की।

'झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए'

कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट कर झारखंड सरकार से प्रदर्शनकारी छात्रों की बात सुनने और उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि झारखंड में विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल का इस्तेमाल गलत है। छात्रों को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है और बातचीत से ही समाधान निकल सकता है। झारखंड सरकार को इन छात्रों की बात सुननी चाहिए और हर समस्या का तुरंत समाधान करना चाहिए।

> राहुल गांधी को चुनौती है, सदन में आइए, हम चर्चा के लिए तैयार हैं और आपको उचित जवाब मिलेगा। भ्रम न फैलाएं, जंतर-मंतर पर न गोली चली और न गोली चलाने का कोई आदेश दिया गया।
>
> जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

राहुल गांधी पर जेपी नड्डा का हमला, बोले- संसद नहीं चलने देना चाहते; झारखंड के आंदोलन पर चुप क्यों?

नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा नेता जेपी नड्डा ने सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी को सदन में आने और चर्चा करने की चुनौती देते हुए कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है और उन्हें उचित जवाब दिया जाएगा। नड्डा ने जंतर-मंतर की घटना को लेकर भी स्पष्ट किया कि वहां कोई गोली नहीं चली और न ही गोली चलाने का कोई आदेश दिया गया था। जेपी नड्डा ने राहुल गांधी को एक बार फिर चुनौती देते हुए कहा कि वह सदन में आएं। नड्डा के मुताबिक, सरकार चर्चा के लिए तैयार है और राहुल गांधी को इसका उचित जवाब मिलेगा। उन्होंने साथ ही गलत सूचना फैलाने से बचने की अपील की। नड्डा ने जंतर-मंतर की घटना को लेकर कहा कि वहां कोई गोली नहीं चलाई गई थी और न ही गोली चलाने का कोई आदेश दिया गया था।

संसद ने टैक्स बिल को मंजूरी दी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- यूपीआई लेनदेन रहेंगे मुफ्त

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद ने सोमवार को 'कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक-2026' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा के बाद इसको लोकसभा में वापस भेज दिया। इस विधेयक में विदेशी निवेश के नियमों, डिजिटल पेमेंट (यूपीआई/एमडीआर), कच्चे हीरे के व्यापार में छूट और आरईआईटी/ इनविट्स पर टैक्स से जुड़े बदलाव शामिल हैं। इसे लोकसभा ने पहले ही अपनी मंजूरी दे दी थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए साफ किया कि यह कानून यूपीआई पर कोई टैक्स नहीं लगाता है और डिजिटल पेमेंट सिस्टम मुफ्त बना रहेगा। पिछले हफ्ते लोकसभा से पास हुए इस विधेयक को राज्यसभा ने वित्त मंत्री के जवाब और संक्षिप्त चर्चा के बाद 'वॉइस वोट' (मौखिक मतदान) से वापस भेज दिया। सीतारमण ने राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान जोर देकर कहा कि इसमें यूपीआई पर किसी भी तरह के टैक्स या लेनदेन चार्ज का प्रस्ताव नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा, "क्या उपभोक्ता को कोई यूपीआई चार्ज देना होगा ? नहीं।

करोड़ों की संपत्ति के मालिक की हत्या: 4 दिन बाद भी आरोपी फरार, पुलिस ने 3 दर्जन CCTV फुटेज खंगाले

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर के नूरपुर रोड स्थित सोटियों के बाग में 82 वर्षीय अनिल कुमार सोती की गला घोंटकर हत्या के चार दिन बाद भी पुलिस किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। पुलिस की कई टीमें हत्या का खुलासा करने में जुटी हैं। अब तक नूरपुर रोड और बिजनौर-मुरादाबाद स्टेट हाईवे के आसपास लगे तीन दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा चुकी है।पुलिस बाग में आने-जाने वाले वाहनों और संदिग्ध लोगों की पहचान करने के साथ नामजद आरोपियों और मृतक के करीबियों से पूछताछ कर रही है। आरोपियों के मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी खंगाली जा रही है।

अनिल कुमार सोती शहर कोतवाली क्षेत्र में नूरपुर मार्ग स्थित करीब 28 बीघा के बाग में बनी कोठी में अकेले रहते थे। शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे उनका शव कोठी के अंदर पड़ा मिला था। शरीर पर चोट के निशान मिले थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई।

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित कीं। पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज लगातार देख रही है। खासतौर पर घटना के समय बाग की ओर आने-जाने वाले वाहनों की पहचान की जा रही है।

मृतक के भांजे आलोक शर्मा निवासी दिल्ली ने शहर कोतवाली में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि जमीन को लेकर चल रहे विवाद के कारण अनिल कुमार सोती को कुछ लोगों से जान का खतरा था। आलोक के मुताबिक, इस संबंध में पहले मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत की गई थी।

उन्होंने मृतक के भतीजे गौरव सोती, शैलेंद्र खन्ना, सुनील खन्ना और नावेद आढ़ती पर साजिश रचकर हत्या कराने का आरोप लगाया है। जमीन विवाद से जुड़ा मामला न्यायालय में विचाराधीन बताया गया है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि अभी पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।पुलिस नामजद आरोपियों के मोबाइल नंबरों की सीडीआर की जांच कर रही है। इसके जरिए घटना से पहले और बाद में संदिग्धों की बातचीत और लोकेशन से जुड़े तथ्यों को खंगाला जा रहा है। पुलिस कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है।

सीओ सिटी अभय कुमार पांडेय ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। खुलासे के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही घटना का अनावरण किया जाएगा।

एसएसपी डीएम ने कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था का लेते रहे जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने थाना खुर्जा नगर क्षेत्रान्तर्गत स्थित सिदेश्वर महादेव मंदिर का स्थलीय निरीक्षण करते हुए जलाभिषेक के अवसर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शिवरात्रि के अवसर पर मंदिर पर जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में कांवड़िये/श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने एवं सुगमता से जल चढ़ाए जाने के लिए प्रवेश एवं निकास द्वार पृथक से रखने, पुलिस कर्मियों एवं वॉलेंटियर्स लगाने, सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाने इत्यादि सभी आवश्यक व्यवस्था को सुनिश्चित कराने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व अभिषेक सिंह, उप जिलाधिकारी खुर्जा सतेंद्र सिंह, क्षेत्राधिकारी खुर्जा शोभित कुमार, ईओ नगर पालिका सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पिकअप एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवारी परिवहन रोकने हेतु पुलिस कर्मियों को किया गया ब्रीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी मंझनपुर द्वारा समदा चौराहा एवं ओसा चौराहा पर ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को ब्रीफ किया गया।

इस दौरान पुलिस कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि पिकअप वाहन एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवारी का अवैध परिवहन न होने दिया जाए तथा ऐसे वाहनों की नियमित चेकिंग कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

डीएम एसपी ने घटनास्थल का किया निरीक्षण, जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण एवं जिलाधिकारी कौशाम्बी अमित पाल द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर मौके की स्थिति का जायजा लिया गया।

अधिकारियों द्वारा जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की गई तथा उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। संबंधित चिकित्सकों से घायलों के उपचार की स्थिति की जानकारी लेते हुए समुचित एवं बेहतर उपचार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

तिरंगा हमारी पहचान है,हमारा स्वाभिमान है,हमारी अस्मिता है और भारत के गौरव का प्रतीक है-जिलाध्यक्ष

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । सिराथू के सांगठनिक मण्डल सिराथू व अजुहा में हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली गई तिरंगा यात्रा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य सहित पार्टी कार्यकताओं एवं आमजनमानस ने किया प्रतिभाग। जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि आज की यह यात्रा उस राष्ट्रभक्ति का उद्घोष है,जिसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने संघर्ष और बलिदान से सींचा था। जिन वीरों ने भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया,उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि हम राष्ट्र की एकता,अखंडता और सम्मान के लिए सदैव समर्पित रहें।आज मैं युवा साथियों को याद दिलाना चाहता हूं कि ये आजादी हमें ऐसे ही नहीं मिली। इस आजादी को पाने के लिए देश के हजारों नौजवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी और लाखों परिवारों ने अपना सुख-चैन त्याग कर योगदान दिया है। देशभक्ति से ओतप्रोत होकर देश की जनता ने दिन-रात एक करके अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए और अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया।जब किसी घर पर तिरंगा लहराता है,तो वह केवल एक ध्वज नहीं होता,बल्कि उस परिवार की राष्ट्र के प्रति आस्था,सम्मान और समर्पण का प्रतीक होता है।हमारा संकल्प है कि हर घर में तिरंगा,हर हाथ में तिरंगा और हर दिल में राष्ट्रभक्ति का भाव हो। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता इस अभियान को जन-जन का अभियान बनाते हुए गांव,गली और मोहल्ले तक राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाएंगे।इस मौके पर निवर्तमान विधायक सिराथू शीतला प्रसाद पटेल,जिला उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शीलू पाण्डेय,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लवकुश मौर्य,चेयरमैन अजुहा शांति कुशवाहा,जिला मंत्री अर्चना चौरसिया,भास्कर सिंह,नरेंद्र पटेल,मण्डल अध्यक्ष सिराथू विनय पाण्डेय,मण्डल अध्यक्ष अजुहा प्रशांत केसरवानी,विपिन यादव,सुरेश द्विवेदी सहित सम्मानित पदाधिकारीगण,जनप्रतिनिधिगण, आमजनमानस व भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

एसपी ने देर रात्रि में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का लिया जायजा

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। श्रावण सोमवार के दृष्टिगत जनपद में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु कौशाम्बी पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण स्वयं रात्रि में भ्रमणशील रहकर जनपद की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के महत्वपूर्ण डायवर्जन स्थलों साकड़ा मोड़ एवं मूरतगंज पहुंचकर रात्रि ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को चेक किया गया तथा उनकी ड्यूटी एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई।

पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को पूरी सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। श्रावण सोमवार के अवसर पर जनपद के प्रमुख शिवालयों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं डायवर्जन स्थलों पर लगातार निगरानी रखते हुए श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए आवश्यक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

दो वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी जाफरगंज के कुशल पर्यवेक्षण में सोमवार को थाना जाफरगंज पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम से संबंधित वारंटी अभियुक्त रमाकान्त पुत्र रामशंकर ग्राम कमासी थाना जाफरगंज व वारंटी अभियुक्त जगन्नाथ पुत्र सुखदेव केवट ग्राम गहरुखेडा थाना जाफरगंज जनपद फतेहपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

किसानों की 16 सूत्रीय मांगों को लेकर किसान सभा ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। किसानों, मजदूरों और गरीबों की विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा मंडल स्योहारा, बिजनौर की ओर से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा गया। खंड विकास अधिकारी स्योहारा के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए किसानों, मजदूरों और आम जनता से जुड़ी 16 मांगों को प्रमुखता से उठाया गया है।

ज्ञापन में कहा गया कि किसानों और मजदूरों का शोषण लगातार जारी है। किसानों की जमीनों को कॉरपोरेट के हवाले किए जाने, मजदूरों, छात्रों, युवाओं, धर्मनिरपेक्षता, स्वाधीन जीवन और जीविका के अधिकारों पर बढ़ते खतरे पर चिंता जताई गई। किसान सभा ने सरकार से न्यूनतम मजदूरी 26 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की है।

किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार लागू करने, फसल खरीद की कानूनी गारंटी देने और सभी किसानों की कर्जमाफी करने की मांग की गई। इसके अलावा मुक्त व्यापार समझौते रद्द करने, मनरेगा को बहाल करने और चारों श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग भी रखी गई है।

ज्ञापन में अंधाधुंध भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के साथ स्मार्ट मीटर तथा बिजली की निजीकरण प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की गई। संगठन ने सांप्रदायिकता पर अंकुश लगाने तथा अल्पसंख्यकों, महिलाओं और दलितों का उत्पीड़न बंद कराने की मांग भी की।

इसके अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने, सभी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पेपर लीक के दोषियों को कड़ी सजा देने, गैस, पेट्रोल व डीजल के दाम कम करने, नदियों की बाढ़ का स्थायी प्रबंध करने तथा खाद-बीज पर सब्सिडी बढ़ाने की मांग की गई। किसान सभा ने कहा कि किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

ज्ञापन के माध्यम से किसान सभा ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार से इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में देर रात्रि में थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में गस्त/चेकिंग की जा रही थी कि इसी दौरान मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर अभियुक्त मनीष पुत्र चन्द्रभान निवासी सरसवां थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को सरसवां पेट्रोल पम्प के पास ओयो होटल से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से तमंचा 315 बोर, 5 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया ।

सैनी पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त रामबली पुत्र मायादीन निवासी ऊचाँरावा थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए आगे आए- वीरेंद्र फौजी

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों को खिलाई एल्बेंडाजोल की दवा

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

मंझनपुर। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद मंझनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय बबुरा में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष वीरेंद्र सरोज फौजी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और बच्चों के स्वास्थ्य एवं बेहतर भविष्य को लेकर जागरूकता का संदेश दिया।वीरेंद्र सरोज फौजी ने स्वयं बच्चों के बीच पहुंचकर 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि नियंत्रण की एल्बेंडाजोल की खुराक खिलाई। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वस्थ रहना ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की पहली सीढ़ी है। बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य अभियानों में सभी को बढ़-चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। ऐसे अभियानों के माध्यम से बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और समुचित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह सहित विद्यालय के प्रधानाध्यापक सूर्यकुमार, सहायक अध्यापिका श्रीमती तपस्या भारतीय, शिक्षकगण एवं चिकित्सकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वीरेंद्र सरोज फौजी ने बच्चों को स्वच्छता, पौष्टिक आहार और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति भी जागरूक किया।

कांवड़ियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए सीएचसी स्योहारा की पहल

नियमित स्वास्थ्य शिविरों में निःशुल्क दवाओं का वितरण।

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा, शासन के आदेशों के क्रम में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर कांवड़ियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार के लिए सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही के निर्देशन में ब्लॉक स्योहारा क्षेत्र में नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं।

इन शिविरों में कांवड़ियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य शिविरों में कांवड़ियों को आवश्यक दवाएं निःशुल्क वितरित की जा रही हैं। वहीं, सीएचसी स्योहारा में भी रोस्टर के तहत चिकित्सकों , पैरामेडीकल स्टाफ एवं स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके। इसी के क्रम में आज गाँव गंगाधरपुर ओर कालीमाता मंदिर स्योहारा ओर ब्लॉक प्रमुख स्योहारा श्री उज्ज्वल चौहान जी के आवास पर लगे कांवड़ शिविर आदि में विशेष कांवड़ यात्रा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।जंहा सभी का स्वास्थ्य परीक्षण ओर जांच करके निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गयी।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि कांवड़ियों की सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तरह मुस्तैद है तथा शिविरों के माध्यम से लगातार स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस दौरान डॉ 0बी 0के0 स्नेही,डॉ अनमोल अरोड़ा,डॉ राकेश कुमार, डॉ तृप्ति पांडे, राहुल एल टी, चित्रा स्टाफ नर्स, कनिका शर्मा, फार्मासिस्ट योगेश कुमार, प्रदीप रावत, हरीश कुमार , आई ओ वीर सिंह, सुनील कुमार आदि भी उपस्थित रहे।

सहसपुर में सनसनी : दिन में चोरी, कबाड़ी को बेचा चोरी का सामान,चोरों के हौसले बुलंद

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा थाना क्षेत्र के सहसपुर नगर के मोहल्ला अफगानान में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पक्केबाग के घेर में रखा ट्रैक्टर का लोहे का सामान चोरी होने के मामले में पीड़ित मोहम्मद मतलूब पुत्र मोहम्मद अय्यूब ने सहसपुर पुलिस चौकी पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित के अनुसार घटना दोपहर करीब दो बजे की बताई जा रही है। आरोप है कि चोर पक्केबाग के घेर में पहुंचे और वहां रखा ट्रैक्टर का लोहे का सामान चोरी कर ले गए। घटना का पता चलने के बाद आसपास के लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि चोरी करने वालों को पकड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन वे हाथ छुड़ाकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस से कहा है कि चोरी किया गया लोहे का सामान सहसपुर के एक कबाड़ी को बेच दिया गया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से चोरी का सामान बरामद कराने के साथ ही चोरी में शामिल लोगों तथा चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी के संबंध में भी जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

स्योहारा थाना अध्यक्ष संजय कुमार तोमर इस संबंध में जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है।

डीजे में उतरा करंट, युवक की मौत: भव्य कलश यात्रा में शामिल होकर लौट रहे थे, घर का था इकलौता

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, किरतपुर नगर में आयोजित होने जा रही 'श्री शिव महापुराण कथा' से पूर्व निकाली जा रही भव्य कलश यात्रा के दौरान हादसे में युवक की मौत हो गई। हवा में लटक रहे बिजली तार की चपेट में आने से युवक की करंट लगने से जान चली गई। घटना के बाद मौके पर भगदड़ और चीख-पुकार मच गई।सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे प्राचीन मंदिर महाकाली सिद्धपीठ से कलश यात्रा गाजे-बाजे के साथ प्रारंभ हुई थी। यात्रा अपने निर्धारित मार्ग से होते हुए जैसे ही जैन चौराहा पार कर सराफा मार्केट पहुंची, वहां हवा में झूल रहा एक हाई-टेंशन/विद्युत तार आगे चल रहे डीजे से छू गया।

तार के स्पर्श होते ही करंट डीजे में फैल गया। उस समय डीजे को खींच रहे लगभग छह से सात युवक करंट के जोरदार झटके की चपेट में आ गए। झटके महसूस होते ही अधिकांश युवक किसी तरह पीछे हट गए और अपनी जान बचाई।

प्रियांशु राजपूत (21) करंट की सीधी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलसकर मौके पर ही गिर पड़ा। परिजनों और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में प्रियांशु को निकटतम निजी चिकित्सक के पास पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और कथा का माहौल शोक में बदल गया।

घटना के बाद स्थानीय निवासियों और परिजनों में बिजली विभाग के प्रति भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों व परिजनों का आरोप है कि कुछ समय पहले विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने क्षेत्र के सुनील नाम के व्यक्ति का बिजली कनेक्शन काटा था।

नियमतः कनेक्शन काटने के बाद तार को सुरक्षित तरीके से हटाकर व्यवस्थित किया जाना चाहिए था, लेकिन कर्मचारियों ने तार को हवा में खुला ही लटकता छोड़ दिया। इसी घोर लापरवाही के कारण आज एक मासूम युवा की जान चली गई।"

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर जिला अस्पताल भेज दिया है। क्षेत्रीय निवासियों ने पुलिस व प्रशासन से मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और बिजली विभाग के दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई दर्ज की जाए।

डीएम की अध्यक्षता में 15 अगस्त "स्वतंत्रता दिवस" की तैयारियों के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास के साथ गौरवपूर्ण ढंग से मनाये जाने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की उपस्थिति में सोमवार को संगम सभागार में 15 अगस्त ह्यह्यस्वतंत्रता दिवसह्लह्ल को हर्षोल्लास एवं गौरवपूर्ण ढंग से मनाये जाने की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निगम व पीडीए को विभिन्न चौराहों पर तिरंगा लाइटिंग लगवाये जाने एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित महापुरूषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्तियों की साफ-सफाई एवं आस-पास में चूने का छिड़काव कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी कार्यालयाध्यक्षों को अपने कार्यालयों में विशेष सफाई अभियान चलाये जाने के लिए कहा है। व्यापारियों से व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं पेट्रोल पम्प मालिको से अपने-अपने प्रतिष्ठानों में सजावट के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सभी चौराहों पर देशभक्ति से सम्बंधित गीत बजाये जाने के लिए नगर निगम से कहा है। इसके साथ ही साथ उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को सभी अस्पतालों में भी सजावट की व्यवस्था किए जाने के लिए कहा। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में तिरंगा यात्रा, विभिन्न प्रतियोगिताओं सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए

जाने हेतु नगर निगम एवं जिला पंचायतराज अधिकारी को कहा है। जिलाधिकारी ने प्रत्येक ब्लाकों के ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई का अभियान चलाकर गांव को स्वच्छ बनाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने ग्राम पंचायतों में विशेष सफाई अभियान चलाये जाने के साथ ही उन्होंने मलिन बस्तियों में भी विशेष रूप से साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों एवं खण्ड विकास अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में श्रमदान व अन्य कार्यक्रम का आयोजन कराये जाने के लिए कहा है।
जिलाधिकारी ने "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी उपस्थित अधिकारियों को हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफल एवं गौरवपूर्ण ढंग से आयोजन के लिए निर्धारित किए गए दायित्वों का पूरी तनमयता के साथ निर्वहन किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत करते हुए स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना है।

झण्डा फहराने के नियम
प्रत्येक नागरिक को अपने आवास/स्कूल तथा सरकारी कार्यालयों में झण्डा सम्मान के साथ झण्डा संहिता का अनुपालन करते हुए फहराना/लगाना है। झण्डा फहराते समय सदैव केसरिया रंग की पट्टी झण्डे के ऊपर की तरफ होनी चाहिए। झण्डे को यदि सरकारी अवसर पर फहराया जाता है तो सूर्योदय के उपरान्त ध्वजारोहण किया जाना चाहिये तथा सूर्यास्त के साथ सम्मान के साथ उतारना चाहिए। निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर लगाये जाने वाले झण्डों को उसके बाद आदर भाव के साथ उतार कर रखा जाये। झण्डा उतारने के बाद किसी के भी द्वारा फेंका नहीं जायेगा उसे सम्मान के साथ फोल्ड करके रखा जाना चाहिए। किसी के घर पर झण्डा विधिवत तरीके पर लगाया जाना चाहिए। आधा झुका, फटा या कटा झण्डा लगाया जाना निषेध होगा। इस अवसर पर सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सबसे तेज प्रयागराज
नवाबगंज, **प्रयागराज।** राम दुलारी बच्चू लाल जायसवाल महाविद्यालय, नवाबगंज में 16 यूपी बटालियन एनसीसी, प्रयागराज के तत्वावधान में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को टीबी के लक्षण, बचाव, समय पर जांच, उपचार तथा टीबी से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि समय पर जांच और नियमित उपचार से टीबी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। टीबी मुक्त भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर एएनओ आशुतोष गुप्ता, सीटीओ सुमन पटेल, स्वदेश पटेल, जीसीए सपना साहू एवं एनसीसी प्रभारी सोनू केशरवानी ने टीबी मुक्त भारत अभियान के विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने विद्यार्थियों एवं एनसीसी कैडेट्स से आह्वान किया कि वे स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी टीबी के लक्षण, जांच एवं उपचार के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में उपस्थित एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों ने टीबी मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़ना तथा समाज को टीबी जैसी गंभीर बीमारी से मुक्त बनाने में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

पांडेश्वर नाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

हर-हर महादेव से गूंजा मंदिर परिसर

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सावन माह के दूसरे सोमवार को पांडेश्वर नाथ धाम पंडिला महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों का तांता लगा रहा। भोर से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंजता रहा। दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर में पुलिसकर्मियों के साथ महिला आरक्षियों की भी तैनाती की गई। श्रद्धालुओं के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिसकर्मी लगातार व्यवस्था संभालते रहे।मंदिर परिसर और आसपास के प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। वाहनों की भीड़ को नियंत्रित करने तथा श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए अलग-अलग व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया गया। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पेयजल समेत अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी इंतजाम किया गया था।डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत और सहायक पुलिस आयुक्त अरुण पाराशर ने मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं निरीक्षक अरविंद कुमार गौतम पुलिस बल के साथ मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सतर्क रहने और किसी भी तरह की अव्यवस्था न होने देने के निर्देश दिएसावन के दूसरे सोमवार को बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का पूजन किया। श्रद्धालुओं की आस्था और भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में पूरे दिन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। पुलिस और प्रशासन की सक्रियता के चलते श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन-पूजन किया।

शिव दरबार शनिदेव धाम में एक माह से चल रहा अखंड संकीर्तन, जयकारों से गूंज रहा मंदिर परिसर

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। शिवरतन का पुरवा, बिजलीपुर स्थित शिव दरबार शनिदेव धाम सिद्ध पीठ शनि देव मंदिर में गुरु पूर्णिमा से सावन मास की पूर्णिमा तक एक माह तक चलने वाला "ॐ नमः शिवाय, श्री शिवाय नमस्तुभ्य" अखंड संकीर्तन श्रद्धा और भक्ति के साथ अनवरत जारी है। सावन मास के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भजन-कीर्तन में शामिल हो रहे हैं।
इसी क्रम में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने मंदिर परिसर में आयोजित भव्य एवं दिव्य भजन संकीर्तन में सहभागिता की। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद गंगा पार प्रयागराज के जिला

उपाध्यक्ष श्री राम बालक मिश्रा, तहसील अध्यक्ष विमलेश जी, उपाध्यक्ष रोहित मिश्रा, राष्ट्रीय बजरंग दल के तहसील अध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष अजय, ग्राम अध्यक्ष हरि नारायण तिवारी, चक्रधर, राहुल, कल्लू सरोज, धर्मवीर और मोनू सहित अनेक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।
इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद गंगा पार प्रयागराज के जिला अध्यक्ष संजय तिवारी ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। भजन-कीर्तन के दौरान श्रद्धालु भक्तिरस में झूमते नजर आए और मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा।
आयोजन के दौरान प्रतिदिन शाम को श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद एवं भंडारे की भी व्यवस्था की जा रही है। आयोजकों के अनुसार सावन मास में शिव दरबार शनिदेव धाम में यह धार्मिक आयोजन पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा से सावन मास की पूर्णिमा तक अखंड "ॐ नमः शिवाय" संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।
अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद गंगा पार प्रयागराज के जिला अध्यक्ष संजय तिवारी ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपनी सामर्थ्य के अनुसार सत्य सनातन धर्म की सेवा करें। उन्होंने कहा कि वे जीवन की अंतिम सांस तक सनातन धर्म के लिए कार्य करते रहेंगे।

फूलपुर ग्रामीण में आज सात घंटे बिजली कटौती रहेगी

सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। फूलपुर ग्रामीण के सभी फीटरो ,फूलपुर ग्रामीण, प्रतापपुर, भोपतपुर, बादशाहपुर के फीटरो पर फूलपुर ग्रामीण क्षेत्र से निर्गत होने वाली बिजली आपूर्ति 33/11 के. वी .ए. में उपकरण बदले जाने के कारण मंगलवार को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उक्त जानकारी उपखण्ड अधिकारी विद्युत फूलपुर ने सभी विधुत उपभोक्ताओं सहित आम नागरिकों से अनुरोध किया है। कि बिजली उपकरणों में सुधार के लिए उपरोक्त सभी फीटरो पर 7 घंटे तक सट डाउन रहेगा। इसके पूर्व सभी उपभोक्ता जलापूर्ति पानी आदि की समूचित वेवस्था कर ले। जिससे परेशानियों से बचा जा सके।

जिलाधिकारी ने कावंड यात्रा के दृष्टिगत दशाश्वमेध घाट सहित अन्य घाटों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा व अपर पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा ने सोमवार को कावंड यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराये जाने तथा श्रद्धालुओं एवं कावंड़ियों को श्रावण मास में शिवालयों में दर्शन-पूजन में किसी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाये, के दृष्टिगत दशाश्वमेध घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों का भ्रमण कर निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक प्रबंधों का जायजा लिया एवं कावंड़ यात्रा से सम्बंधित व्यवस्थाओं के बारे में सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है।
जिलाधिकारी ने दशास्वमेध घाट सहित अन्य घाटों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, चेंजिंग रूम, बैरिकेटिंग, स्वास्थ्य सुविधाएं सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने घाटों पर गोताखोर, जल पुलिस एवं महिला पुलिस कर्मियों की भी पर्याप्त संख्या में तैनाती रखने तथा घाटों पर गहरे पानी की सीमा पर बैरिकेटिंग एवं संकेतक चिन्ह लगाये जाने के निर्देश दिए है।
इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारीगणों के साथ-साथ अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मान्यता प्राप्त पत्रकारों की पुन: बहाल की जाए रेल सुविधा - पत्रकार कल्याण परिषद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। पत्रकार हिताय पत्रकार सुखाय पत्रकारों के हित उनके सुख सुविधा के लिए पूरे देश भर में संघर्षील संगठन उत्तर प्रदेश पत्रकार कल्याण परिषद ने बीते 6 वर्षों से पत्रकारों को रेलवे में मिलने वाली रियायत व सुविधा बहाली हेतु एक मुहीम छेड़ दी है जिसके लिए सर्वप्रथम रेलमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी को आज सौंपा गया जिसमें प्रमुख रूप से यह माँग की गई है कि बीते 6 वर्षों से जो भारतीय रेल में पत्रकारों को सुविधा पूर्व में केन्द्र सरकार उपलब्ध कराती आ रही थी उसे मार्च 2020 से कोविड के दौरान बन्द कर दी गई थी, अब जब की स्थिति पूरी तरह समान्य है और यह सुविधा बन्द किये 6 वर्ष हो गए हैं, ऐसे में रेल मंत्री को चाहिए कि मीडियाकर्मी को कवरेज हेतु सम्पूर्ण भारतवर्ष में यात्रा करने वाले समस्त मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सुविधा पुनः बहाल करें। प्रतिनिधि मण्डल में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश पत्रकार कल्याण परिषद अध्यक्ष राशिद जमाल उपाध्यक्ष, अरुण कुमार सोनकर सचिव, बलराम शुक्ला, जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी, जिला प्रवक्ता विद्या शंकर मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश मिश्रा आदि उपस्थित थे।

जिला मान्यता प्राप्त संवाददाताओं की दोबारा एलआईयू जाँच नहीं होगी - सूचना निदेशक

निदेशक के साथ समन्वय बैठक में उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति ने आठ सूत्रीय माँग रखी

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज
लखनऊ। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा जिला संवाददाताओं की दोबारा एलआईयू नहीं कराई जाएगी। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के साथ समन्वय बैठक में निदेशक विशाल सिंह ने अध्यक्षता करते हुए यह निर्णय लिया। निदेशालय कांफ्रेंस हॉल में समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी के नेतृत्व में पत्रकारों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर निदेशक अरविन्द मिश्र को सभी माँगों पर निर्णय लेकर उन्होंने तत्काल निस्तारित करने का निर्देश भी दिया। जिला मान्यता प्राप्त संवाददाताओं की जाँच प्रकरण को अध्यक्ष व सचिव भारत सिंह द्वारा उठाए जाने को संज्ञान लेते हुए निदेशक ने शीघ्र ही आदेश को निरस्त करने का निर्देश दिया।
बैठक में समिति के सचिव भारत सिंह ने पत्रकारों के हितों से संबंधित नौ सूत्रीय मांग पत्र क्रमवार प्रस्तुत किए। समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने प्रत्येक मांग के संबंध में निदेशक को विस्तार से अवगत कराते हुए उनके शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया।
सूचना निदेशक विशाल सिंह की अध्यक्षता में समिति द्वारा रखी गई प्रमुख मांगों में 58 वर्ष की आयु में पत्रकारों को पेंशन की सुविधा, जिला मान्यता प्राप्त संवाददाताओं की दोबारा एलआईयू न कराने, पत्रकारों के लिए प्लॉट, आवास एवं फ्लैट आवंटन की व्यवस्था किए जाने, राज्य एवं जिला मुख्यालय के मान्यता प्राप्त पत्रकारों के सेवानिवृत्ति की निर्धारित आयु में पहुंचने पर मान्यता स्वतः वरिष्ठ एवं स्वतंत्र पत्रकार की श्रेणी में स्थानांतरित करने, मान्यता से संबंधित मामलों के त्वरित निराकरण हेतु मान्यता समिति का गठन, दारुलशफा स्थित ए-ब्लॉक में फोटोग्राफरों के कार्यालय से संबंधित बकाया राशि का भुगतान किए जाने, पत्रकारों एवं उनके परिवारों के लिए आयुष्मान कार्ड का कैंप लगाने, चिकित्सा हेतु कैश लेस कार्ड बनवाने, एसजीपीजीआई में चिकित्सकीय व्यवस्था सुनिश्चित करने व 25 लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये किए जाने, स्वतंत्र एवं वरिष्ठ पत्रकारों तथा फोटो जर्नलिस्टों से नियमित रूप से समाचार, आलेख एवं फोटो सामग्री प्राप्त कर सरकारी पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जाने व उचित पारिश्रमिक दिए जाने का माँग पत्र दिया गया। समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में निरंतर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। ऐसे में पत्रकारों की सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं सम्मान से जुड़ी मांगों का समयबद्ध समाधान आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विभाग स्तर पर सभी मांगों पर सकारात्मक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सूचना विभाग द्वारा आयोजित समन्वय बैठक में अपर निदेशक अरविन्द कुमार मिश्रा, सहायक निदेशक अमित यादव, वित्त नियंत्रक संजय सिंह, समिति के पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष आकाश शेखर शर्मा, अविनाश मिश्रा, राघवेन्द्र त्रिपाठी, संयुक्त सचिव विजय कुमार त्रिपाठी व अनिल सैनी, कार्यकारिणी सदस्य रीतेश सिंह, अब्दुल वहीद, रेनू निगम, वेद प्रकाश दीक्षित, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, नवेद शिकोह, सत्येंद्र कुमार राय समेत अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

शिकायतों के बाद भी नहीं बदली मंडोरी रोड की तस्वीर

गड्ढों में भरा पानी, हादसों को दावत दे रही मंडोरी रोड

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। स्योहारा के मंडोरी रोड पर पिछले करीब तीन-चार महीनों से सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। गड्ढों में बरसात का पानी भर जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गड्ढों की वजह से कई बार सड़क हादसे भी हो चुके हैं। शिकायतों के बाद कुछ गड्ढों में ईंट और रोड़े के टुकड़े भरकर मरम्मत की औपचारिकता पूरी की गई, लेकिन जलभराव के कारण समस्या अभी भी बनी हुई है।
मंडोरी रोड पर राम विहार कॉलोनी, टीचर्स कॉलोनी और विकास नगर कॉलोनी स्थित हैं। इन तीनों कॉलोनियों में करीब दो हजार लोग परिवारों के साथ रहते हैं। सड़क की बदहाली से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, पैदल राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा भी नहीं लग पाता, जिससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है।
भाजपा नेता आलोक अग्रवाल का कहना है कि सड़क पर बने गड्ढों के कारण आए दिन हादसे होने की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय निवासी विशाल त्यागी ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री पोर्टल के अलावा विकासखंड बुढ़नपुर में भी कई बार शिकायत की गई, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है।
यह मार्ग लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधीन है। पीडब्ल्यूडी के जूनियर इंजीनियर अविनाश वर्मा ने बताया कि सड़क के उन्हीं स्थानों पर गड्ढे बने हैं, जहां आसपास के घरों का पानी सड़क पर आ रहा है। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने अपने मकानों के सामने ऊंचे रैंप बना रखे हैं, जिसके कारण घरों का पानी सड़क पर बह रहा है। ऐसे मकानों को चिन्हित कर नोटिस भी जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सड़क का निरीक्षण किया जा चुका है। फिलहाल बारिश के कारण मरम्मत कार्य नहीं कराया जा सकता। मौसम अनुकूल होते ही सड़क की डामर से मरम्मत करा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि सड़क के दोनों ओर उचित नालियों का निर्माण हो जाए तो जल निकासी की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। नालियों का निर्माण विकासखंड और ग्राम प्रधान के स्तर से कराया जाना है। साथ ही अनधिकृत ऊंचे रैंप हटाकर पानी की निकासी का रास्ता बनाया जाना जरूरी है।

शिक्षक का चरित्र ही राष्ट्र के चरित्र की आधारशिला - आचार्य धीर

वॉयस ऑफ टीचर्स के स्थापना दिवस एवं रुद्राभिषेक महोत्सव

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। गंगा की अविरल धारा, वैदिक मंत्रों की पवित्र गूंज और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के बीच सोमवार को दशाश्वमेध घाट आध्यात्मिक आस्था के साथ शिक्षक-धर्म और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प का साक्षी बना। श्री हर्ष सावित्री संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दारागंज एवं वॉयस ऑफ टीचर्स के संयुक्त तत्वावधान में वॉयस ऑफ टीचर्स के स्थापना दिवस तथा संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. (आचार्य) राजेश मिश्र 'धीर' के जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य रुद्राभिषेक महोत्सव आयोजित किया गया। गंगा तट पर आयोजित इस अनुष्ठान में शिक्षक दंपत्तियों ने वैदिक विधि-विधान से भगवान आशुतोष का अभिषेक किया। इस अवसर पर वॉयस ऑफ टीचर्स के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. (आचार्य) राजेश मिश्र ह्यधीर' ने कहा कि राष्ट्र का भविष्य कक्षाओं में तैयार होता है और कक्षा को दिशा देने वाला शिक्षक होता है। इसलिए शिक्षक का व्यक्तित्व और आचरण केवल उसका व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा हुआ दायित्व है। उन्होंने कहा, "जिस शिक्षक का जीवन नैतिकता, कर्तव्यनिष्ठा, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना से प्रकाशित होगा, वही विद्यार्थियों में श्रेष्ठ चरित्र और राष्ट्रभक्ति के संस्कार विकसित कर सकेगा। उन्होंने कहा कि वॉयस ऑफ टीचर्स शिक्षक समुदाय की गरिमा, सम्मान, अधिकारों एवं कर्तव्यबोध के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। परमार्थ उत्थान एवं अनुसंधान संस्थान के संस्थापक स्वामी पद्मनाभानंद जी महाराज ने कहा कि भारतीय जीवन-दृष्टि में शिक्षक का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण रहा है। शिक्षक पीढ़ियों को केवल शिक्षा नहीं देता, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और चरित्र को दिशा प्रदान करता है। इसलिए शिक्षक का स्वयं संस्कारवान और नैतिक रूप से सुदृढ़ होना आवश्यक है। आचार्य सूर्य प्रकाश शुक्ल के मार्गदर्शन एवं संचालन में आचार्य आयुष त्रिपाठी एवं संदीप द्विवेदी ने वैदिक विधि-विधान से रुद्राभिषेक सम्पन्न कराया। भगवान शिव की पूजा-अर्चना के साथ मां गंगा का पूजन भी किया गया। इस अवसर पर आचार्य अंजनी उपाध्याय, राज कुमार, जितेंद्र शर्मा, अरुण कुमार गुप्ता, विनय गुप्ता, अंकुश गुप्ता, संतोष पाण्डेय तथा 'मूंछ नर्तक' राजेन्द्र प्रसाद 'दुकान जी' सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू अराजनैतिक ने सौंपा 21 सूत्रीय ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार, 10 अगस्त को विकासखंड मऊआइमा के ब्लॉक परिसर स्थित बैठक हाल में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की बैठक आयोजित की गई। बैठक मंडल अध्यक्ष प्रयागराज बबलू दूबे की उपस्थिति में हुई।
बैठक के बाद संगठन की ओर से किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी प्रयागराज को संबोधित 21 सूत्रीय ज्ञापन खंड विकास अधिकारी मऊआइमा सुभाष चंद्र को सौंपा गया। ज्ञापन में आवास विकास परिषद एवं यूपी डॉडा द्वारा

किए जा रहे अधिग्रहण को रोकने, यूरिया और डीएपी खाद की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने तथा छुट्टा और आवारा पशुओं को पशु बाड़ों में पहुंचाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा फर्जी मेडिकल बनाए जाने सहित किसानों से जुड़े कई अन्य गंभीर मामलों के समाधान की मांग भी की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन से ज्ञापन में उठाई गई समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किए जाने की मांग की।
इस दौरान मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे, गंगापार अध्यक्ष भारत पटेल, गंगापार अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष खुर्शीद आलम, ब्लॉक अध्यक्ष मऊआइमा संजय कुमार, मंडल सचिव राजेंद्र कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञान सिंह पटेल, जिला सचिव गोविंद बहादुर सिंह, अभिषेक पांडेय, गंगापार सचिव मिथिलेश कुमार मौर्य, तहसील अध्यक्ष कमलेश पटेल, ज्ञानेंद्र यादव, राममूर्ति यादव, कमलेश यादव, युवा ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार सहित सैकड़ों किसान एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

छिनैती और चोरी की वारदातों का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार; दो बाल अपचारी भी पुलिस अभिरक्षा में

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सरायममरेज पुलिस ने चोरी और छिनैती की घटनाओं में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो बाल अपचारियों को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर छह मोबाइल फोन, 11,400 रुपये नकद और चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद करने का दावा किया है।
पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को सरायममरेज थाना क्षेत्र में वरुणा पुलिया के पास की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अर्जुन भारतीया उर्फ बादल (19) निवासी गगौर, थाना फूलपुर और मोहम्मद अरमान (19) निवासी मोहद्दीपुर सोरों जलालपुर, थाना उतरांव के रूप में हुई है। इनके साथ दो बाल अपचारियों को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।
पुलिस के मुताबिक 25/26 जुलाई की रात करीब दो बजे वरुणा नदी पुल के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीन लिया था। आरोप है कि बदमाशों ने पीड़ित को डराकर उसका पिन और पासवर्ड हासिल किया और यूपीआई के जरिए रकम भी ट्रांसफर कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू

की थी। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे रात में सुनसान स्थानों पर लोगों को रोककर डराते-धमकाते थे और चोरी व छिनैती की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 2 जून को बहरिया क्षेत्र में बाइक सवार दंपती से मोबाइल फोन और पांच हजार रुपये की छिनैती तथा एक अगस्त को उतरांव क्षेत्र में बाइक सवार महिला से चेन छीनने की घटना में भी शामिल होना स्वीकार किया है।
पुलिस ने बरामदगी में सरायममरेज की घटना से संबंधित एक मोबाइल फोन और एक हजार रुपये, उतरांव की घटना में चेन बेचकर प्राप्त 7,700 रुपये, बहरिया की घटना से संबंधित एक मोबाइल फोन और 2,700 रुपये तथा दो चोरी की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें शामिल बताई हैं। इसके अलावा कीडगंज थाना क्षेत्र के उएक्फ़ पोर्टल पर पंजीकृत एक अन्य मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।
पुलिस के मुताबिक बरामद दोनों मोटरसाइकिलें चोरी की हैं, जिनके संबंध में फूलपुर और कर्नलगंज थानों में अलग-अलग मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई के बाद सरायममरेज थाने में दर्ज मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में अर्जुन भारतीया उर्फ बादल के खिलाफ बहरिया, उतरांव, फूलपुर, कर्नलगंज, सरायइनायत और सरायममरेज थानों में कई मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। वहीं मोहम्मद अरमान के खिलाफ बहरिया, उतरांव, फूलपुर, कर्नलगंज और सरायममरेज थानों में मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में
सरायममरेज थानाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के अलावा वरिष्ठ उपनिरीक्षक अमरीश कुमार राय, चौकी प्रभारी जघंई शरद सिंह, मनीष पाण्डेय, बृजभान कुमार गोंड, अमरेन्द्र सिंह सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

संपादकीय

अखिलेश की फिल्म धुरंधर पर नाराजगी के सियासी मायने

सिनेमा और राजनीति का रिश्ता हमेशा से गहरा रहा है, लेकिन जब परदे की कहानियां सीधे तौर पर चुनावी मैदान के समीकरणों और राजनीतिक दलों के इतिहास को प्रभावित करने लगें, तो सियासत गरमाना लाजिमी है। हाल ही में रिलीज हुई बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश यादव ने इस फिल्म को सीधे तौर पर एक सरकारी प्रोपेगेंडा करार देते हुए यह तक कह दिया है कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इस पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी। आखिर क्या वजह है कि एक कमर्शियल फिल्म पर सूबे के इतने बड़े राजनेता को इतनी कड़ी आपत्ति जतानी पड़ी और क्यों उन्होंने सरकार बनने पर जांच की बात कहकर राजनीतिक दांव चला है, इसे वर्तमान और अतीत के राजनीतिक घटनाक्रम के आईने में आसानी से समझा जा सकता है।

इस पूरे विवाद की जड़ में वह किस्सा है जिसका इस्तेमाल हालिया दौर के राजनीतिक नैरेटिव को गढ़ने के लिए किया जा रहा है। दरअसल, फिल्म धुरंधर और इसके सीक्वेंस में पूर्वांचल के एक चर्चित माफिया डॉन के किरदार और उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा आतंकी संगठनों के साथ संबंधों को परदे पर दिखाया गया है। यह किसी से छिपा नहीं है कि उक्त माफिया राजनेता अतीत में समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा तक पहुंच चुका था। राजनीतिक विरोधियों ने इस सिनेमैटिक प्लॉट का इस्तेमाल तुरंत समाजवादी पार्टी को घेरने के लिए हथियार के रूप में करना शुरू कर दिया। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर लगे उन पोस्टरों और विज्ञापनों ने आग में घी का काम किया, जिनमें सपा के पुराने शासनकाल की तुलना फिल्म के काल्पनिक और अराजक ह्यराजह्न से कर दी गई। जब किसी दल के पूरे राजनीतिक अतीत, उसकी कार्यप्रणाली और पुराने दौर के दागों को बड़े परदे के जरिए जनमानस के बीच इस तरह परोसा जाए कि सीधा संबंध किसी खास दल से जुड़े होने का आभास हो, तो दल के मुखिया के लिए उस पर प्रतिक्रिया देना राजनीतिक मजबूरी बन जाता है।

अखिलेश यादव का यह आक्रामक रुख महज एक फिल्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत भाजपा सरकार पर विपक्षियों की छवि धूमिल करने के लिए सरकारी तंत्र और संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया जाता रहा है। अखिलेश ने यह सवाल उठाकर कि इस तरह के फिल्म निर्माण में भारी-भरकम पैसा कहां से आ रहा है और कौन लोग इसके पीछे हैं, एक तीर से कई निशाने साधे हैं। उनका यह बयान इस बात का प्रतीक है कि समाजवादी पार्टी अब वैचारिक और सांस्कृतिक मोर्चे पर भी आक्रामक तेवर अपनाने से पीछे नहीं हटेगी। जब राजधानी में विपक्षी खेमे द्वारा लगातार ऐसे पोस्टर चस्पा किए जाएं जो पार्टी के पुराने शासनकाल को अपराध और अंडरवर्ल्ड के गठजोड़ के रूप में चित्रित करें, तो पार्टी अध्यक्ष के तौर पर अखिलेश यादव के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह इन हमलों को सिर्फ जुबानी जमाखर्च से न टालें, बल्कि भविष्य की सत्ता का विश्वास दिलाकर अपने कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा रखें और विरोधियों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दें।

सरकार बनने पर फिल्म निर्माण और इसके वित्तपोषण की जांच कराए जाने की बात कहकर अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के समर्थकों और कैडर को भी एक कड़ा संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातिगत समीकरणों, कानून-व्यवस्था के मुद्दों और ब्राह्मणों के उत्पीड़न जैसे अन्य समकालीन मुद्दों के बीच, ह्यधुरंधरह्न जैसी फिल्मों के जरिए बन रहे नैरेटिव को काउंटर करना समाजवादी पार्टी के लिए अस्तित्व की लड़ाई जैसा बन गया है। अखिलेश भली-भांति समझते हैं कि यदि जनता के बीच इस प्रोपेगेंडा का माकूल जवाब समय रहते नहीं दिया गया, तो यह उनकी पार्टी की सेक्युलर और प्रगतिशील छवि को नुकसान पहुंचा सकता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार और भारत की चुनौतियां

महेन्द्र तिवारी

वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्तमान में एक ऐसे दोराहे पर खड़ी है जहां अनिश्चितता ही एकमात्र निश्चितता प्रतीत होती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जुलाई 2026 में जारी किए गए नवीनतम विश्व आर्थिक आउटलुक अपडेट ने वैश्विक विकास और भविष्य की आर्थिक संभावनाओं पर एक गंभीर विमर्श को जन्म दिया है। वर्ष 2026 के लिए वैश्विक विकास दर के अनुमान को घटाकर केवल तीन प्रतिशत किया जाना कोई सामान्य या छोटी घटना नहीं है। यह आंकड़ा इसी साल अप्रैल में जारी किए गए तीन दशमलव एक प्रतिशत के अनुमान से कम है। यद्यपि संस्था को वर्ष 2027 में विकास दर के तीन दशमलव चार प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन यह सुधार भी महामारी से पहले के वर्षों या 2024 और 2025 के औसत से काफी नीचे रहने वाला है। यह गिरावट किसी अचानक आई भयानक मंदी का संकेत तो नहीं देती, लेकिन यह इस बात की स्पष्ट चेतावनी अवश्य है कि विश्व अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित वृद्धि क्षमता लगातार कमजोर हो रही है। इस परिदृश्य को और भी अधिक चिंताजनक बनाने का काम विश्व बैंक का आकलन करता है।

विश्व बैंक का अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से भी अधिक निराशावादी है। विश्व बैंक ने 2026 के लिए वैश्विक वृद्धि दर मात्र दो दशमलव पांच प्रतिशत रहने की आशंका जताई है। इन दोनों प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के अनुमानों में यह अंतर इस बात को दर्शाता है कि वैश्विक स्तर पर वर्तमान आर्थिक जोखिमों का प्रभाव अत्यंत गहरा और दीर्घकालिक होने वाला है, जो विकासशील और विकसित देशों की संरचनात्मक जड़ों को हिला रहा है। इस आर्थिक सुस्ती और विकास दर में गिरावट के पीछे कई जटिल और बहुआयामी कारण छिपे हैं। इनमें सबसे प्रमुख कारण मध्य पूर्व में जारी गहराता भू राजनीतिक संघर्ष और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न हो रहा भारी ऊर्जा संकट है। दुनिया के इस संवेदनशील हिस्से में तनाव लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर तेल की वैश्विक आपूर्ति, समुद्री परिवहन और माल ढुलाई के बीमा की भारी लागत पर पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण और संकरे समुद्री व्यापारिक मार्गों पर यदि कोई भी बड़ा व्यवधान उत्पन्न होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है। कच्चे तेल के महंगा होने का सीधा अर्थ यह है कि पूरी दुनिया में उत्पादन, विनिर्माण और परिवहन की लागत तेजी से बढ़ जाएगी। जो देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर हैं, उनके लिए यह स्थिति और भी भयावह होगी।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इस गंभीर खतरे को भांपते हुए 2026 के लिए वैश्विक महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर चार दशमलव सात प्रतिशत कर दिया है, जो पिछले अनुमानों से कहीं अधिक है। महंगाई का यह भारी दबाव दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों को अपनी ब्याज दरों में कटौती करने से रोकेगा, जिससे बाजार में तरलता घटेगी और औद्योगिक विकास की गति और भी धीमी हो जाएगी।

आर्थिक विकास को बाधित करने वाला दूसरा सबसे बड़ा और खतरनाक कारक वैश्विक व्यापार का विखंडन है।

मुखर योगी और अखिलेश की सियासी कसमकस

संजय सक्सेना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग जीवन भर बच्चे ही बने रहते हैं। बबुआ भी यही करते थे। वो दोपहर 12 बजे सो कर उठते थे। दो बजे तैयार होते थे। पांच बजते-बजते उनके जिम जाने का समय हो जाता था और शाम 7 बजे महफिल सज जाती थी। देश-प्रदेश के बारे में सोचने के लिए उनके पास समय ही कहां होता था। प्रदेश की कानून-व्यवस्था का हाल तो ये था कि महिलाओं को सबसे बड़ा खतरा इन्हीं सपाइयों से ही था। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब सरकारें प्रदेश के विकास के लिए काम करती हैं तो उसका लाभ समाज के हर तबके को मिलता है।दरअसल, अखिलेश यादव आजकल कोई भी बात सीधे नहीं कहते हैं। उनकी भाषा में तंज ज्यादा और साफगोई कम नजर आती है। वह जो भी मुद्दे उठाते हैं, उसमें भी वह अपने सियासी फायदे पर ज्यादा ध्यान देते हैं। हर घटना का नाटकीय रूपांतरण कर देते हैं। चंदा चोरी में भी यही देखने को मिल रहा है। उनके सांसद और नेता हर जगह कथित रूप से दानपात्र लेकर हर जगह दिखाई पड़ने लगे हैं। आजकल अखिलेश ने सॉफ्ट हिन्दुत्व के चक्कर में मुस्लिम वोट बैंक की सियासत को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इस पर ओवैसी उन पर हमेशा हमलावर रहते हैं। वहीं कुछ मुसलमान तो यहां तक कहते हैं कि अखिलेश ने जिस धर्म में जन्म नहीं लिया, वह उसके नहीं हुए तो हमारे क्या होंगे। यही बात ओवैसी भी मुसलमानों को समझाने में लगे हैं। अखिलेश के पीडीए का भी यही हाल है। कभी वह पीडीए को पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक बताते हैं तो कभी पीडीए का मतलब पिछड़ा-दलित और ए का मतलब आधी आबादी बताने लगते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पीडीए में पीडी को पंडितों का शॉर्ट फॉर्म बता दिया। बात-बात पर उनके जनप्रतिनिधि संसद से लेकर विधानसभा तक हंगामा खड़ा कर देते हैं। लोकतंत्र के मंदिर में प्रदर्शन करते हैं। हाल यह है कि कोई पत्रकार उनसे सख्त सवाल पूछ लेता है तो वह उसे गोदी मीडिया और बीजेपी वाला बता देते हैं।

दुखद यह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग का स्तर लगातार गिरता और नया रूप ले रहा है, जहां व्यक्तिगत बयानों से लेकर रणनीतिक बदलावों तक हर बात पर सूबे की सियासत गरमाई हुई है। हाल ही में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर किया गया करारा तंज इस राजनीतिक उथल-पुथल का ताजा उदाहरण है। इस बयान के साथ-साथ अखिलेश यादव की बदलती कार्यशैली, सॉफ्ट हिंदुत्व के समीकरण और उनके पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक/आधी आबादी) फॉमूर्ले पर उठ रहे सवाल उत्तर प्रदेश के राजनीतिक भविष्य के लिए बहुत कुछ संकेत देते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव की कार्यशैली और दिनचर्या पर सीधा कटाक्ष करते हुए उनकी राजनीतिक गंभीरता पर सवाल खड़े किए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग जीवनभर बच्चे ही बने रहते हैं और बबुआ कहकर संबोधित करते हुए उनकी दिनचर्या का मजाक उड़ाया। मुख्यमंत्री के अनुसार, दोपहर 12 बजे सो कर उठना, दो बजे तैयार होना, पांच बजे जिम जाना और शाम सात बजे महफिल सजाना एक जननेता की पहचान नहीं हो सकती है। इस प्रकार के बयानों के जरिए सत्ता पक्ष जनता के बीच यह संदेश देने की कोशिश करता है कि विपक्ष के नेता जमीनी हकीकत, जनता के दुखों और प्रदेश के विकास के प्रति गंभीर नहीं हैं। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था के मुद्दे को जोड़ते हुए योगी आदित्यनाथ ने पिछली सपा सरकार के कार्यकाल को याद दिलाया और आरोप लगाया कि उस दौरान महिलाओं को सबसे बड़ा खतरा सपाइयों से ही था। यह राजनीतिक बयानबाजी केवल व्यक्तिगत हमला नहीं है, बल्कि यह भाजपा की उस स्थापित रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह विपक्ष को ह्वविशेषाधिकार प्राप्तह्व और ह्वजमीनी हकीकत से कटे हुएह्व वर्ग के रूप में चित्रित करती है।

उधर, अखिलेश यादव की वर्तमान राजनीतिक रणनीति में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है, जिसे कई राजनीतिक विश्लेषक सॉफ्ट हिंदुत्व की ओर झुकाव मान रहे हैं। इस चक्कर में ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने पारंपरिक मुस्लिम वोट बैंक को लेकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है या उसे कुछ हद तक ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यही कारण है कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी लगातार अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर हमलावर रहते हैं। ओवैसी और समुदाय के कुछ आलोचकों का यह तर्क तेजी से जमीन पकड़ रहा है कि जो नेता अपने मूल धार्मिक और वैचारिक दायरे में स्पष्ट नहीं है, वह दूसरों के लिए कितना वफादार साबित होगा। मुस्लिम समाज के एक वर्ग में यह भावना घर कर रही है कि सपा केवल चुनावों के वक्त उनके वोटों का इस्तेमाल तो करती है, लेकिन उनके वास्तविक मुद्दों पर खुलकर सामने आने से बचती है। यह असमंजस समाजवादी पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है, क्योंकि पारंपरिक मुस्लिम-यादव (एम-वाई) समीकरण ही पार्टी की राजनीतिक ताकत का मुख्य आधार रहा है।अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नया राजनीतिक मंत्र गढ़ा था, लेकिन इसके बार-बार बदलते अर्थो ने राजनीतिक गलियारों में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है।

कभी ए का मतलब अल्पसंख्यक बताया जाता है, तो कभी इसे आधी आबादी (महिलाएं) से जोड़ा जाता है।

हाल ही में पीडी के दायरे में पंडित (सवर्ण वर्ग) को शामिल करने के संकेतों ने इस फॉमूर्ले की वैचारिक स्पष्टता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। जबकि हो यह है कि जब किसी राजनीतिक नारे या समीकरण का दायरा बहुत अधिक फैला दिया जाता है, तो उसका मूल वैचारिक उद्देश्य कमजोर पड़ने लगता है। पिछड़ों और दलितों के अधिकारों की बात करने वाली पार्टी यदि अचानक सवर्ण जातियों को भी इसी खेमे में फिट करने की कोशिश करती है, तो इससे मूल कार्यकताओं के बीच भ्रम फैलता है। आलोचकों का मानना है कि यह सब केवल तात्कालिक चुनावी नफा-नुकसान को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, जिसमें दूरगामी वैचारिक दृढ़ता का अभाव साफ झलकता है। इतना ही नहीं, अखिलेश यादव की राजनीतिक शैली में अब आक्रामकता और तंज की प्रधानता बढ़ गई है। वह किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर सीधी बात करने के बजाय सियासी नफा-नुकसान को तरजीह देते हैं। इसके साथ ही, हालिया दौर में उनके जनप्रतिनिधियों द्वारा संसद से लेकर विधानसभा तक किए जाने वाले हंगामे और लोकतांत्रिक मयार्दाओं की सीमाओं को लांघने की प्रवृत्ति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जब मीडिया द्वारा उनसे कोई कड़े या तीखे सवाल पूछे जाते हैं, तो उसे गोदी मीडिया या भाजपा का प्रवक्ता कहकर टाल देना राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक नहीं माना जाता है। एक बड़े राजनीतिक दल के मुखिया से यह अपेक्षा की जाती है कि वह आलोचनाओं का सामना तर्कों के साथ करे, न कि उन्हें खारिज करके। यह प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि विपक्ष असहज करने वाले सवालों से बचने का रास्ता तलाश रहा है, जो लोकतांत्रिक संवाद के लिहाज से स्वस्थ परंपरा नहीं है। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह मुकाबला केवल दो दलों की वैचारिक लड़ाई नहीं, बल्कि कार्यशैली, विश्वसनीयता और बदलते समीकरणों की एक लंबी और जटिल शतरंज की चाल बन चुका है।

बदलता संघ और बदलता युवा: संघ प्रमुख मोहन भागवत का जेन-जी के नाम संदेश

अशोक भाटिया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परंपरा, अनुशासन और प्राचीन मूल्यों को सर्वोपरि रखने के लिए जाना जाता है। ऐसे में जब संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत समकालीन युवा पीढ़ी–जिन्हें जेन-जी और जेन-अल्फा कहा जाता है–के पक्ष में खुलकर खड़े होते हैं, तो यह भारतीय विमर्श में एक युगांतरकारी मोड़ का संकेत है। हाल ही में संघ प्रमुख ने जिस बेबाकी और संवेदनशीलता के साथ युवाओं की सोच, उनके अधिकारों, उनके विरोध प्रदर्शनों और उनकी देशभक्ति का समर्थन किया है, उसने देश के नीति-निमार्ताओं और पुरानी पीढ़ी को आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया है । यह संदेश दशार्ता है कि संघ समय के साथ न केवल बदल रहा है, बल्कि नए भारत की नई सोच को अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। डिजिटल बदलावों और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच यह संदेश राष्ट्र निर्माण की एक नई रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

अमूमन हर दौर में पुरानी पीढ़ी को नई पीढ़ी से शिकायतें रही हैं। आज भी अक्सर जेन-जी को लेकर यह धारणा बनाई जाती है कि वे रील्स और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में खोए हुए हैं, वे एकाग्रता की कमी से जूझ रहे हैं और अपनी संस्कृति से दूर जा रहे हैं। लेकिन डॉ. मोहन भागवत ने इन तमाम रूढ़िवादिता को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आज की युवा पीढ़ी पिछली पीढ़ियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार, पारदर्शी, जागरूक और देशभक्त है।

संघ प्रमुख का यह कहना कि वे ह्लनई पीढ़ी पर आंख मूंदकर भरोसा करते हैं,ह्व एक बहुत बड़ा वक्तव्य है । यह भरोसा इस समझ से उपजा है कि आज का युवा पाखंड को पसंद नहीं करता। वह जो सोचता है, वही बोलता है; उसकी कथनी और करनी में दिखावा नहीं होता। उनकी देशभक्ति किसी प्रदर्शनकारी राष्ट्रवाद का हिस्सा नहीं है, बल्कि देश को आंतरिक रूप से मजबूत और अधिक न्यायसंगत बनाने की उनकी स्वाभाविक इच्छा से प्रेरित है। जब देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन युवाओं की इस प्रामाणिकता को मान्यता देता है, तो यह युवाओं के आत्मविश्वास को एक नई उड़ान देता है और पुरानी पीढ़ी के संशय को दूर करता है।

इस संदेश का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चा में रहने वाला हिस्सा वह था, जहां डॉ. भागवत ने युवाओं के विरोध प्रदर्शनों और उनके अधिकारों की बात की । पिछले कुछ वर्षों में देश ने विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक मुद्दों पर छात्रों के उग्र आंदोलन देखे हैं। दुर्भाग्यवश, कई बार ऐसे आंदोलनों को फौरन दबाने या उन्हें देश-विरोधी या गुमराह बताने की कोशिशें की जाती रही हैं। लेकिन सरसंघचालक ने इस पर बेहद परिपक्व और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण रखा । उन्होंने साफ किया कि व्यवस्था, सरकारी नीतियों या किसी घटना के खिलाफ आवाज उठाना और विरोध प्रदर्शन करना युवाओं का लोकतांत्रिक अधिकार है । युवाओं का गुस्सा व्यवस्था को ध्वस्त करने के लिए नहीं, बल्कि उसे सुधारने, पारदर्शी बनाने और अधिक जवाबदेह देखने के लिए होता है। किसी आंदोलन में शामिल होने मात्र से कोई युवा देश-विरोधी नहीं हो जाता । यह बयान उन ताकतों के लिए एक कड़ा सबक है जो हर असहमति की आवाज को दबा देना चाहती हैं। लोकतंत्र की असली ताकत निरंतर संवाद में है, दमन में नहीं, और युवाओं का विरोध इसी स्वस्थ संवाद की मांग करता है। आज का युवा सूचना क्रांति के उस दौर में जी रहा है जहां दुनिया भर का ज्ञान उसकी उंगलियों पर है। वह किसी भी बात या परंपरा को सिर्फ इसलिए चुपचाप नहीं मान लेता क्योंकि वह किसी बुजुर्ग या प्राचीन व्यवस्था ने कही है। वह तर्क चाहता है, वह प्रमाण चाहता है, वह न्यायसंगत कारण चाहता है। डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं के इस खोजी स्वभाव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की खुलकर सराहना की है। उन्होंने माना कि आज की पीढ़ी बिना डरे सीधे सवाल पूछता है और पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे इन सवालों से भागने या नाराज होने के बजाय उनके तार्किक और संतोषजनक जवाब दें।

यह दृष्टिकोण संघ की पारंपरिक छवि से अलग और प्रगतिशील है। संघ प्रमुख का यह मानना कि समस्याओं या असंतोष का समाधान बल या उपेक्षा से नहीं हो सकता, आज के समय की सबसे बड़ी नीतिगत जरूरत है।

आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है हथकरघा

दिलीप कुमार पाठक

आजकल हम जब भी कपड़े खरीदने की सोचते हैं, तो सीधे बड़े-बड़े मॉल या नामी ब्रांड्स के शोरूम की तरफ भागते हैं। लेकिन इस चकाचौंध में हम अपने ही देश के गाँवों में रची उस जादुई कला को भूल जाते हैं, जो सिर्फ हाथों के हुनर से कोरे धागों में जान फूंक देती है। हर साल सात अगस्त को मनाया जाने वाला ह्यराष्ट्रीय हथकरघा दिवसह्न कोई सरकारी रस्म नहीं है। यह दिन हमारे देश के उन लाखों बुनकरों के टैलेंट और मेहनत को सलाम करने का मौका है, जो सदियों से भारत को अपनी कला से सजा रहे हैं। इस दिन का हमारी आजादी की लड़ाई से बहुत गहरा नाता है। जब अंग्रेजों ने हमारे देश को बांटने की कोशिश की, तो सात अगस्त के दिन ही कोलकाता से ह्यस्वदेशी आंदोलनह्न की शुरूआत हुई थी। उस समय विदेशी कपड़ों को जलाकर अपने देश के हाथ से बने कपड़ों को अपनाना अंग्रेजों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बना था।

इसी ऐतिहासिक दिन को याद रखने के लिए सरकार ने करीब एक दशक पहले इस दिवस को मनाने का फैसला किया। तब से यह दिन सिर्फ इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अपने गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का जरिया बन गया है।

अगर देश की तरक्की की बात करें, तो यह हथकरघा उद्योग आज भी हमारे गाँवों की असली रीढ़ है। कपड़ा मंत्रालय का रिकॉर्ड बताता है कि खेती के बाद सबसे ज्यादा परिवारों का चूल्हा इसी काम से जलता है। इस काम की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें काम करने वाले कुल लोगों में तीन-चौथाई से भी ज्यादा महिलाएं हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जब आप खादी या हाथ से बुना हुआ कोई भी कपड़ा खरीदते हैं, तो आपकी जेब से निकला पैसा सीधे किसी सुदूर गाँव में बैठी महिला को आत्मनिर्भर बनाता है। आज पूरी दुनिया में भारतीय हथकरघा अपनी पहिचान बना रहा है।

हाल के बरसों के सरकारी आंकड़ों को देखें तो हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के विदेशों में बिकने की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भर में लोग ऐसे कपड़ों की मांग कर रहे हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ और हमारा हथकरघा इस मामले में सौ फीसदी खरा है। इसे बनाने में न तो बिजली का बड़ा बिल आता है और न ही कैमिकल का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि अमेरिका, दुबई और यूरोप के बड़े बाजारों में बनारसी सिल्क, भागलपुरी चादर, तेलंगाना की इकत या ओडिशा की संबलपुरी साड़ी की जबरदस्त मांग है।

उदाहरण पेश कर रहा है झारखंड का छात्र आंदोलन

अमित कुमार अम्बष्ट 'आमिली'

हाल ही में कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित जंतर-मंतर का आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर ठएएळ पेपर लीक, पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों को मुआवजा, पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, परीक्षा प्रणाली में सुधार, प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर जवाबदेही और शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की मांग को लेकर शुरू हुआ। लेकिन उस आंदोलन में प्रधानमंत्री और उनकी मां को गाली, देश की सेना को अपशब्द, सीआरपीएफ एवं पुलिस के जवानों के साथ दुर्व्यवहार, मीडिया के साथ अभद्रता, पत्थरबाजी , अपराधियों और टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ ने न सिर्फ देश अपितु विदेशों में भी भारत का सर शर्म से झुका दिया, जिस युवाओं और जेन -जीमको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव देश का भविष्य बताते रहे हैं, उनका अचार ह्ल विचार बिल्कुल शर्मिंदा करने वाला था, हालांकि आंदोलन के कई सप्ताह तक चलने के बाद अंततः केंद्र सरकार तथा आंदोलनकारियों के बीच वार्ता हुई। इसके बाद सरकार ने सभी मांगों को मान लिया ।

जंतर-मंतर के उस आंदोलन के बाद एक और छात्र आंदोलन चर्चा के केंद्र में है । झारखंड की राजधानी रांची का जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम इन दिनों केवल एक धरना स्थल नहीं, बल्कि लाखों प्रतियोगी छात्रों की उम्मीदों का प्रतीक बन गया है। जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में शुरू हुआ यह अनिश्चितकालीन आंदोलन देखते-ही-देखते पूरे राज्य के युवाओं की आवाज बन गया। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार हो रही देरी, रिक्त सरकारी पदों पर नियुक्ति नहीं होने और पारदर्शिता की मांग को लेकर हजारों छात्र रांची पहुंचे और अनिश्चितकालीन सत्याग्रह आरंभ किया। शुरूआत में यह आंदोलन कुछ छात्र संगठनों और प्रतियोगी अभ्यर्थियों तक सीमित था, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी गूंज पूरे झारखंड में फैल गई। देखते ही देखते राज्य के लगभग सभी जिलों से छात्र इसमें शामिल होने लगे। खास बात यह रही कि आंदोलन के दौरान छात्रों ने स्पष्ट किया कि उनका संघर्ष किसी सरकार या राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि एक ऐसी भर्ती व्यवस्था के पक्ष में है, जिस पर युवाओं का भरोसा कायम रह सके। उनकी प्रमुख मांगों में झारखंड लोक सेवा आयोग (खढरउ) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खररउ) की भर्ती प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता, कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, समयबद्ध भर्ती कैलेंडर और रिक्त सरकारी पदों पर शीघ्र नियुक्ति शामिल रही।

जैसे-जैसे आंदोलन आगे बढ़ा, उसका स्वर और व्यापक होता गया। छात्र नेताओं ने भूख हड़ताल शुरू की, विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षकों और अभिभावकों ने समर्थन दिया तथा देश के अन्य राज्यों के प्रतियोगी छात्रों ने भी एकजुटता व्यक्त की। आंदोलनकारियों ने यह भी घोषणा की कि यदि उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो वे तिरंगा मार्च निकालेंगे और विधानसभा का शांतिपूर्ण घेराव करेंगे। इस घटनाक्रम ने झारखंड छात्र आंदोलन को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया। वास्तव में यह आंदोलन किसी एक परीक्षा या एक आयोग तक सीमित नहीं है।

यह उन लाखों युवाओं की पीड़ा का प्रतीक है जो वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रियाओं की अनिश्चितता के कारण उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है। कई अभ्यर्थियों की आयु सीमा समाप्त होने की स्थिति में पहुँच गई है, अनेक परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं और युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास लगातार कमजोर हुआ है। ऐसे में झारखंड का छात्र आंदोलन केवल विरोध का आंदोलन नहीं, बल्कि व्यवस्था में विश्वास बहाल करने का आंदोलन बन गया है।

भारतीय लोकतंत्र में छात्र आंदोलनों का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1974 के बिहार छात्र आंदोलन, असम आंदोलन और शिक्षा सुधारों से जुड़े अनेक आंदोलनों तक, युवाओं ने समय-समय पर समाज और राजनीति को नई दिशा दी है। झारखंड का वर्तमान छात्र आंदोलन भी उसी परंपरा का विस्तार है।

अंतर केवल इतना है कि आज का छात्र सोशल मीडिया, डिजिटल संवाद और संवैधानिक लोकतांत्रिक तरीकों के माध्यम से अपनी बात अधिक प्रभावी ढंग से रख रहा है।

यह आंदोलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय पहचान से ऊपर उठकर छात्र एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट हुए हैं। उनकी मांग केवल रोजगार नहीं, बल्कि पारदर्शी अवसर है। वे चाहते हैं कि प्रतियोगिता समान हो, परीक्षा निष्पक्ष हो और चयन योग्यता के आधार पर हो। यह मांग केवल छात्रों की नहीं, बल्कि एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की भी आवश्यकता है।

ऐसे में सुखद है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि सरकार आंदोलनकारी छात्रों के साथ बातचीत और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तैयार है, जिसके तहत प्रशासनिक स्तर पर प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया और प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामलों में सीआईडी जांच तेज कर दी गई है तथा अब तक कई आरोपियों की गिरफ्तारियां भी की जा चुकी हैं।

"कांवड़ यात्रा सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, सामाजिक समरसता की जीवंत पाठशाला है..."– शिवभक्तों के नाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भावुक 'पाती'

लखनऊः
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास की पावन और ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों और देश के कोने-कोने से उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश कर रहे करोड़ों शिवभक्तों के नाम एक बेहद भावुक, विस्तृत और संदेशपरक 'पाती' (विशेष पत्र) लिखी है । मुख्यमंत्री ने इस पावन यात्रा को महज एक पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान मानने से इनकार करते हुए इसे भारतीय समाज की सांस्कृतिक एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा "महापर्व" और "जीवंत पाठशाला" करार दिया है ?

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी इस ऐतिहासिक पत्र में सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा के गहरे आध्यात्मिक और सामाजिक अर्थों को रेखांकित किया है। इसके साथ ही उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और सेवादारों से यात्रा को अत्यधिक सुरक्षित, अनुशासित, मर्यादित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की एक बड़ी और गंभीर भावुक अपील भी की है ।

'पाती' का मुख्य दर्शनः
"जब कांवड़ उठती है, तो समाज के सारे कृत्रिम भेद पिघल जाते हैं"मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पत्र में कांवड़ यात्रा के दौरान दिखने वाले अद्भुत भाईचारे और समभाव का बहुत ही मार्मिक चित्रण किया है।

उन्होंने अपनी पाती में लिखाः
भेदभाव से परे सनातन की शक्तिः सीएम ने लिखा कि जब कोई शिवभक्त अपने कंधे पर पवित्र कांवड़ उठाता है, भगवा वस्त्र धारण करता है और उसके मुख से 'बम-बम भोले' तथा 'हर-हर महादेव' का जयघोष निकलता है, तब समाज द्वारा बनाए गए जाति, वर्ग, क्षेत्र, भाषा और ऊंच-नीच के सारे कृत्रिम भेद पूरी तरह समाप्त हो जाते हैं। उस क्षण हर व्यक्ति सिर्फ और सिर्फ एक शिवभक्त होता है ।

विविधता में एकता का जीवंत रूपः
यात्रा मार्ग पर भले ही लाखों श्रद्धालुओं के पैर अलग-अलग गति और सामर्थ्य से चलते हैं, लेकिन उन सबका संकल्प, उनकी श्रद्धा और उनका गंतव्य (महादेव का जलाभिषेक) एक ही होता है। यह राष्ट्रीय एकता और अखंडता का सबसे अनुपम उदाहरण है ?

दिव्यांग भक्तों के अटूट हौसले को नमनः
मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उन शिवभक्तों का जिक्र किया जो लाठियों, बैसाखियों या शारीरिक कठिनाइयों के बावजूद सैकड़ों किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा पूरी करते हैं।

उन्होंने कहा कि इन दिव्यांग भक्तों का यह अद्भुत जज्बा और अटूट समर्पण हर नागरिक के मन को श्रद्धा और प्रेरणा से भर देता है।

पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों की बड़ी अपीलः
'इको-फ्रेंडली कांवड़'अपनी धार्मिक निष्ठा को पूरा करने के साथ-साथ सीएम योगी ने शिवभक्तों को उनकी सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारियों की भी याद दिलाई है। उन्होंने पत्र के माध्यम से निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया हैः

सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पूर्ण रोकः
मुख्यमंत्री ने सभी कांवड़ संघों, सेवादारों और भक्तों से पुरजोर अपील की है कि वे इस बार की यात्रा को पूरी तरह 'प्लास्टिक मुक्त' बनाने का संकल्प लें। यात्रा के दौरान पानी की बोतलों, प्लास्टिक के कप और थैलों का कम से कम उपयोग करें और पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों को बढ़ावा दें ।

एंबुलेंस और स्कूल बसों को दें प्राथमिकताः
सीएम ने कांवड़ मार्गों पर चलने वाले सभी जत्थों से कहा है कि यदि मार्ग में कोई भी आपातकालीन वाहन (जैसे एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड) या स्कूली बच्चों की बस दिखाई दे, तो श्रद्धा के अनुशासन का परिचय देते हुए खुद आगे बढ़कर उन्हें सुरक्षित रास्ता दें। उन्होंने कहा कि किसी के जीवन की रक्षा करना ही भगवान शिव की सबसे बड़ी पूजा है।

संयम और शालीनता ही यात्रा की आत्माः
पत्र में कहा गया है कि उत्साह के अतिरेक में मयार्दा की सीमाएं नहीं टूटनी चाहिए।

तीन दशकों से अनकहे सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश है 'चूजिंग गोल्ड' : डॉ. सौरभ गाडगिल

कानपुर।
अपने जीवन के अधिकांश समय में मैं इस यात्रा को जीने में इतना व्यस्त रहा कि कभी रुककर इसे समझने और परखने का अवसर नहीं मिला। 'चूजिंग गोल्ड' लिखते समय मैंने करीब तीन दशकों से अनकहे रह गए सवालों, अपने फैसलों, असफलताओं और उन छोटे-छोटे पलों को समझने की कोशिश की, जिन्होंने मेरे व्यक्तित्व और नेतृत्व को आकार दिया। यह बातें रविवार को पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगिल ने कहीं।

पीएनजी ज्वेलर्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगिल की पहली पुस्तक 'चूजिंग गोल्ड' का विमोचन किया गया। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक सिर्फ एक कारोबारी सफर का दस्तावेज नहीं, बल्कि परिवार की विरासत, व्यक्तिगत संघर्ष, फैसलों और उनसे मिली सीख की कहानी है।

पीएनजी ज्वेलर्स की 194 वर्ष पुरानी कारोबारी विरासत के बीच डॉ. गाडगिल ने कम उम्र में जिम्मेदारी संभाली। पुस्तक में उन्होंने उस दौर से लेकर वर्तमान तक के सफर को बेहद व्यक्तिगत अंदाज में सामने रखा है। इसमें दादा और मां के साथ हुई बातचीत, जीवन में मिले महत्वपूर्ण सुझाव, कठिन परिस्थितियों में लिए गए फैसले और असफलताओं से मिली सीख को शामिल किया गया है। डॉ. गाडगिल ने कहा कि कई बार जीवन के बड़े फैसलों से ज्यादा वे छोटे-छोटे क्षण व्यक्ति को गढ़ते हैं, जिनका महत्व उस समय समझ में नहीं आता। कोई बातचीत, कोई असफलता या वर्षों पहले मिली कोई सलाह बाद में जीवन की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित होती है। उन्होंने कहा कि पुस्तक लिखते हुए उन्होंने खुद से यह सवाल भी किए कि किन फैसलों पर उन्हें गर्व है और कौन से निर्णय आज भी उन्हें सोचने पर मजबूर करते हैं।

बरेका में विश्व आदिवासी दिवस पर निकली शोभायात्रा, बिखरी आदिवासी संस्कृति की छटा

वाराणसी।
विश्व आदिवासी दिवस पर रविवार को वाराणसी स्थित बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में आदिवासी परिवार, बरेका के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकालने के साथ सांस्कृतिक समारोह का आयोजन भी किया गया। समारोह में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सामाजिक एकता का प्रेरणादायी स्वरूप देखने को मिला।

परिसर में सायंकाल बरेका सेंट जॉन स्कूल, गेट संख्या-2 से प्रारंभ हुई शोभायात्रा कुंदन तिराहा एवं सूर्य सरोवर मार्ग से होते हुए इंटर कॉलेज चौराहे पहुँची, जहाँ भगवान गौतम बुद्ध, जननायक बिरसा मुंडा एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण किया गया।

इसके उपरांत शोभायात्रा पश्चिमी संस्थान, जलालीपट्टी पहुँचकर संपन्न हुई।

शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे पारंपरिक आदिवासी परिधानों में शामिल हुए। रंग-बिरंगी वेशभूषा, पारंपरिक गीत-संगीत और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों ने पूरे वातावरण को उल्लास, ऊर्जा और सांस्कृतिक गौरव से सराबोर कर दिया। मार्ग में उपस्थित लोगों ने भी इस सांस्कृतिक यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

पश्चिमी संस्थान, जलालीपट्टी में आयोजित समारोह में आदिवासी समाज की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। वक्ताओं ने आदिवासी समुदाय की समृद्ध परंपराओं, प्रकृति के प्रति उनके गहरे जुड़ाव तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं नई पीढ़ी तक उसके संवहन की आवश्यकता पर बल दिया।

कृषि विश्वविद्यालय बांदा का 12वां दीक्षांत समारोह 12 अगस्त को, 250 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह आगामी 12 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल करेंगी। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कृषि प्रसार वैज्ञानिक एवं पूर्व सदस्य योजना आयोग डॉ. वी.वी. सदामते समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। डॉ. वी.वी. सदामते ने कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) में प्रधान सलाहकार के रूप में सेवाएं दी हैं। इसके अलावा विश्व बैंक द्वारा पोषित जलागम परियोजना में कृषि विशेषज्ञ के तौर पर भी कार्य किया है।

विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में इस वर्ष कुल 250 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें कृषि, उद्यान, वानिकी एवं सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालयों के 187 स्नातक विद्यार्थी शामिल हैं। इसके अलावा 37 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और 26 पीएच.डी. शोधार्थियों को भी उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एस.के. सिंह ने रविवार को बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को इस वर्ष 6 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदक प्रदान किए जाएंगे। वहीं, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एक स्नातक विद्यार्थी को कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया जाएगा।

कुलपति प्रो. एस.वी.एस. राजू के मार्गदर्शन में इस वर्ष दीक्षांत समारोह की व्यवस्था में विशेष बदलाव किया गया है।

हमीरपुर से डाक कांवड़ यात्रा चित्रकूट के लिए हुई रवाना, जल लेकर लौटेंगे शिवभक्त

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में स्वर्णकार कारीगर संघ के तत्वावधान में रविवार दोपहर राठ सरार्फा बाजार से भव्य डाक कांवड़ यात्रा चित्रकूट धाम के लिए रवाना हुई। यात्रा में करीब डेढ़ सैकड़ा बाइक, चार पहिया वाहन के आगे डीजे में बच रहे भक्ति गीतों पर शिवभक्त निकले।विधायक मनीषा अनुरागी और जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत ने डाक कांवड़ का फीता काटकर शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया।

यात्रा रवाना होने से पहले श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन किया। इसके बाद कांवड़ यात्रा राठ सरार्फा बाजार से शुरू होकर चित्रकूट के लिए रवाना हो गई। यात्रा को लेकर शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पूर्व विधायक डॉ अंबेश कुमारी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया सहित अन्य ने शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कांवड़ यात्री चित्रकूट पहुंचकर पवित्र मंदाकिनी नदी से जल लेकर वापस राठ लौटेंगे। इसके बाद सोमवार को सभी कांवड़ यात्री पवित्र जल से चौपरेश्वर धाम मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यातायात और पुलिस व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई।

यूजीसी रोल बैक की मांग को लेकर ब्रजघाट से मुरादाबाद तक कांवड़ यात्रा

मुरादाबाद।
यूजीसी रोल बैक की मांग को लेकर भगवान परशुराम संघर्ष समिति मुरादाबाद के उपाध्यक्ष वासु शर्मा एवं उनके मित्र विशाल सैनी द्वारा रविवार को ब्रजघाट से मुरादाबाद तक कांवड़ यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर भगवान परशुराम संघर्ष समिति द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रजत शर्मा ने यूजीसी के इस काले कानून को जल्द से जल्द समाप्त करने की मांग करते हुए सरकार को सद्बुद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि गरीबी किसी जाति की पहचान नहीं होती, बल्कि हर जाति और समाज में गरीब व्यक्ति होते हैं। इसलिए आर्थिक रूप से कमजोर प्रत्येक व्यक्ति को आरक्षण का अधिकार मिलना चाहिए। इस व्यवस्था में संशोधन आज के समय की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

इस अवसर पर रजत शर्मा ने वासु शर्मा, विशाल सैनी एवं प्रशांत सैनी सहित कांवड़ यात्रा से जुड़े सभी साथियों का समस्त समाज की ओर से आभार व्यक्त करते हुए उनके इस संघर्ष और जनजागरूकता के प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर बाशु शर्मा, विशाल सैनी, मोहित दुबे, विष्णु शर्मा, पारस शर्मा, नवीन शर्मा, अभिषेक शर्मा, प्रशांत सैनी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

झांसी : 18 केंद्रों पर 86 .87 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी प्राविधिक सहायक परीक्षा

7176 में 6234 अभ्यर्थी हुए शामिल, 942 ने छोड़ी परीक्षा

झांसी।
उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी मुख्य लिखित परीक्षा रविवार को जनपद के 18 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा में पंजीकृत 7176 अभ्यर्थियों में 6234 उपस्थित रहे, जबकि 942 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इस तरह 86.87 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक एक पाली में आयोजित हुई। परीक्षा को नकल विहीन और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम से भी परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं पर नजर रखी गई।

नोडल अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने के बाद विभिन्न परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। उन्होंने एसपीआई इंटर कॉलेज, एलवीएम इंटर कॉलेज और सूरज प्रसाद बालिका इंटर कॉलेज पहुंचकर व्यवस्थाएं देखीं।

'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत जुआ खेल रहे पांच गिरफ्तार

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी की जैतपुरा पुलिस ने अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत मुस्लिमपुरा में रेलवे लाइन के किनारे छापेमारी कर जुआ खेल रहे पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से ताश के 52 पत्ते और जुए में लगाए गए 3,470 रुपये बरामद किए।

व्यापारी एकजुट होंगे तभी सुरक्षित होगा व्यापारिक भविष्य : संदीप बंसल

गोरखपुर।
व्यापारियों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की लड़ाई को और मजबूती देने के लिए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने संगठन को बाजार स्तर तक विस्तार देने की रणनीति तैयार की है। रविवार को गोरखपुर के सिविल लाइंस स्थित वैष्णवी लॉन में आयोजित गोरक्ष क्षेत्रीय बैठक में गोरक्ष क्षेत्र के 12 जनपदों से पहुंचे पदाधिकारियों और व्यापारियों की बैठक हुई। इसमें आगामी तीन सितंबर को लखनऊ स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय व्यापारी महासम्मेलन की तैयारियों पर विस्तार से मंथन हुआ।

बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने कहा कि पिछले 33 वर्षों से अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल व्यापारियों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है। व्यापारी समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता है। यदि प्रत्येक बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान को संगठन से जोड़ा जाए तो व्यापारियों की समस्याओं का समाधान और अधिक प्रभावी ढंग से कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तीन सितंबर को लखनऊ में होने वाला महासम्मेलन व्यापारिक हितों की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

गेट पास व्यवस्था का मुद्दा उठाने पर मिला आश्वासन
संदीप बंसल ने मंडी समिति की ओर से छह जुलाई से लागू की गई गेट पास और ट्रैकिंग व्यवस्था का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से व्यापारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। संगठन ने शासन स्तर पर इस समस्या को मजबूती से उठाया, जिसके बाद संबंधित मंत्री ने व्यवस्था वापस लेने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल ने कहा कि व्यापारी समाज की एकता ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने बाजार स्तर तक संगठन को सक्रिय और मजबूत बनाने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष आलोक चौरसिया ने कहा कि गोरखपुर के प्रत्येक बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान तक संगठन की पहुंच मजबूत की जाएगी। महानगर अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार शुक्ल व महानगर महामंत्री डॉ. भोलेन्द्र नारायण दूबे ने संगठन को व्यापारियों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की सशक्त आवाज बताया।

तिरंगा यात्रा में गूंजे भारत माता के जयकारे, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया नेतृत्व

देवरिया।
हर घर तिरंगा' अभियान के तहत रविवार शाम पथरदेवा विधानसभा क्षेत्र के तरकुलवा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। शाम करीब पांच बजे प्रदेश के कृषि मंत्री एवं पथरदेवा विधायक सूर्य प्रताप शाही के नेतृत्व में निकली यात्रा बंजरिया मोड़ से शुरू होकर बालपुर श्रीनगर चौराहे तक पहुंची। करीब तीन किलोमीटर लंबी यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही स्वयं हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा की अगुवाई कर रहे थे। उनके पीछे बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हाथों में राष्ट्रध्वज लेकर चल रहे थे। पूरे रास्ते भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयकारे गूंजते रहे। देशभक्ति के नारों और लहराते तिरंगों से पूरा मार्ग राष्ट्रभक्ति के रंग में नजर आया।

यात्रा के दौरान बंजरिया मोड़ से लेकर बालपुर श्रीनगर चौराहे तक जगह-जगह स्थानीय लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। लोगों ने तिरंगा लहराकर देश के प्रति अपनी भावना व्यक्त की। कार्यकर्ताओं में यात्रा को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

महिला ने लगाया पति, जेठ व जेठानी एवं ससुर पर दहेज प्रताड़ना का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में थाना भगतपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने थाना पुलिस को दी तहरीर में पति, जेठ व जेठानी एवं ससुर पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। साथ ही पति की गैर मौजूदगी में जेठ पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। थाना भगतपुर प्रभारी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर सात आरोपितों के विरुद्ध रविवार को रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

महिला के अनुसार, उसकी शादी 10 नवंबर 2024 को भगतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद से पति, जेठ व जेठानी एवं ससुर उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि बीती नौ अप्रैल की रात पति के घर से बाहर होने पर जेठ उसके कमरे में घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत करने पर भी ससुराल पक्ष ने कार्रवाई करने के बजाय उसे धमकाया। आरोप है कि 23 मई को आरोपितों ने फिर लाठी-डंडों से मारपीट की और ससुराल से निकाल दिया।

वाराणसी: नगर आयुक्त का अल्टीमेटम, 15 दिनों में नगर निगम को हैंडओवर हो भिटकुरी कान्हा गौशाला

नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, दिया समय सीमा का अनुपालन करने का सख्त अल्टीमेटम

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अब भिटकुरी कान्हा गौशाला की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौंबद होगी। रविवार को आयुक्त हिमांशु नागपाल ने गौशाला के मेन गेट पर वाई-शेप एंगल के साथ राउंडेड सिक्योरिटी फेंस वायर लगाने तथा पशुओं की सुविधा के लिए चरही की गहराई कम कर उन्हें अर्धगोलाकार रूप में ढालने के सख्त निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कार्यदायी संस्था को सभी कमियों को दूर करते हुए 15 दिनों के भीतर गौशाला को नगर निगम को हैंडओवर करने का अल्टीमेटम दिया। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने भिटकुरी स्थित निमार्णाधीन कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने सीएंडडीएस (कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज) द्वारा बनाए जा रहे इस परिसर में सुरक्षा, स्वच्छता और पशुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान बाउंड्रीवाल में जगह-जगह खाली स्थान मिलने पर नगर आयुक्त ने उन्हें तत्काल भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेन गेट एवं वरूणा नदी की तरफ की बाउंड्रीवाल से पुरानी फेंसिंग हटाकर वाई-शेप एंगल के साथ राउंडेड सिक्योरिटी फेंस वायर लगाई जाए। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र की गौशाला की तरफ तथा पीछे की बाउंड्रीवाल में दो के स्थान पर चार कटीले तारों से फेंसिंग करने को कहा। मुख्य गेट की सुरक्षा के संबंध में उन्होंने निर्देश दिया कि गेट के ऊपर गौशाला का नाम अंकित कराया जाए और उसे अच्छी शीट लगाकर बंद किया जाए ताकि कोई आवारा कुत्ता या जंगली जानवर अंदर प्रवेश न कर सके। गेट की ऊंचाई बढ़ाने तथा ऊपर नुकीले सरियों से वेल्डिंग कराने के भी निर्देश दिए गए। पशुओं की सुविधा के लिए उन्होंने अत्यधिक गहरी पाई गई चरहियों को चार भागों में बांटकर उनकी गहराई कम करने और उनकी दीवारों को अर्धगोलाकार बनाने के निर्देश दिए ताकि पशु आसानी से चारा खा सकें। चरही के आउटलेट में स्लाइडिंग कैप लगाने तथा नालियों की गहराई कम कर स्लोप सही करने को कहा गया।

इसके साथ ही, गौशाला के शेडों में सीएफएल की जगह ट्यूबलाइट लगाने, स्टोर रूम की खिड़कियों में ऑल्टरनेट व्यवस्था के तहत एग्जॉस्ट लगाने, पूरी गौशाला का पानी बाहर निकालने के लिए इनलेट चैंबर से आउटलेट चैंबर तक 12 या 18 इंच का पाइप लगाने और ऑफिस, अस्पताल एवं सभी कमरों की खिड़कियों में मॉस्किटो जाली लगाने के निर्देश दिए गए।

महाराष्ट्र में दूध महंगा, 11 अगस्त से 2 रुपए प्र ति लीटर की बढ़ोतरी

पुणे ।

महाराष्ट्र में उपभोक्ताओं को अब दूध के लिए अधिक कीमत चुकानी होगी। मंगलवार, 11 अगस्त से गाय और भैंस के दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि लागू होगी। यह फैसला बढ़ती उत्पादन लागत के मद्देनजर लिया गया है। मिल्क प्रोड्यूसर्स एंड प्रोसेसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की हाल ही में हुई बैठक में प्रमुख सहकारी व निजी डेयरियों ने इस मूल्य वृद्धि पर सहमति जताई। एसोसिएशन के अनुसार कीमतों में वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर का इजाफा हुआ है, वहीं पैकेजिंग खर्च में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अतिरिक्त, दूध की खरीद कीमत भी बढ़ गई है और आने वाले समय में इसमें और वृद्धि की संभावना है। इन बढ़ती लागतों को देखते हुए, दूध की बिक्री कीमत में वृद्धि का फैसला किया गया है। साथ ही डेयरी उत्पादों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

गोबरधन योजना से भारत को पांच अरब डॉलर की बचत संभव- आईबीए

नई दिल्ली।

भारतीय बायोगैस संघ (आईबीए) का मानना है कि केंद्र सरकार की 23,731 करोड़ रुपये की गोबरधन योजना देश के प्राकृतिक गैस आयात बिल को आने वाले वर्षों में करीब पांच अरब डॉलर (लगभग 40 लाख करोड़ रुपये) तक कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आईबीए के अनुसार, कृषि अवशेष और जैविक कचरे को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने पर केंद्रित यह योजना मात्र सरकारी खर्च नहीं, बल्कि एक रणनीतिक राष्ट्रीय निवेश है। संघ ने कहा कि भारत अपनी प्राकृतिक गैस का लगभग 50 फीसदी आयात करता है। यदि करीब 1,500 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र पूरी क्षमता से संचालित होते हैं, तो प्राकृतिक गैस आयात में एक-तिहाई कमी लाई जा सकती है, जिससे सालाना करीब पांच अरब डॉलर की बचत होगी। यह योजना उर्वरक आयात और सरकार पर सब्सिडी के बोझ को भी कम करेगी। 1,500 सीबीजी संयंत्रों के संचालन से उर्वरक आयात में कम से कम पांच प्रतिशत (एक अरब डॉलर) की कमी आ सकती है। इसके अलावा, गोबरधन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होगी।

भारतीय सेना और बुलेट का अटूट रिश्ता- भरोसे की एक ऐतिहासिक गाथा

नई दिल्ली ।

स्वतंत्रता दिवस पर राजपथ से लेकर दुर्गम सीमाओं तक, जब भारतीय सेना के जांबाज मार्च पास्ट करते हैं, तब उनकी वीरता के साथ रॉयल एनफील्ड बुलेट की गड़गड़ाहट विशिष्ट पहचान बन जाती है। यह रिश्ता केवल एक वाहन और उसके चालक का नहीं, बल्कि देशभक्ति, भरोसे और गौरव की एक ऐतिहासिक साझेदारी का प्रतीक है। दशकों से बुलेट ने देश की रक्षा में, कठिन से कठिन रास्तों पर एक विश्वसनीय साथी की भूमिका निभाई है।

आज़ादी के तुरंत बाद 1947-48 के युद्ध ने कश्मीर और लद्दाख जैसे बर्फीले व पथरीले इलाकों में गश्त के लिए मजबूत और भरोसेमंद बाइक की तत्काल जरुरत का एहसास हुआ। कठोर परीक्षणों के बाद, रॉयल एनफील्ड बुलेट 350, अपने फोर-स्ट्रोक इंजन और आधुनिक रियर सस्पेंशन के कारण, सभी सैन्य मापदंडों पर खरी उतरी। वर्ष 1952 में, भारत सरकार ने ब्रिटेन की रॉयल एनफील्ड कंपनी को बुलेट 350 की 800 यूनिट्स का पहला ऑर्डर दिया, जो 1953 में भारतीय सेना के बेड़े का हिस्सा बनीं।

बढ़ती मांग और रखरखाव जरूरतों को देखकर 1955 में इंग्लैंड की रॉयल एनफील्ड और भारत की मद्रास मोटर्स ने मिलकर एनफील्ड इंडिया की नींव रखी। चेन्नई के तिरुवोट्टियूर में संयंत्र स्थापित किया गया और 1962 तक बुलेट का शत-प्रतिशत निर्माण भारत में ही होने लगा। आज यह भारतीय कंपनी ही पूरे विश्व में रॉयल एनफील्ड ब्रांड का संचालन कर रही है।

दशकों तक सीमाओं पर धाक जमाने वाली बुलेट के अलावा, आधुनिक सेना के बेड़े में अब कई नई गाड़ियां शामिल हैं। मोटरसाइकिलों में रॉयल एनफील्ड बुलेट 350 और क्लासिक 500 के साथ-साथ हीरो जी.एस. 150आर, टीवीएस अपाचे और रॉयल एनफील्ड हिमालयन का उपयोग हो रहा है। मारुति जिप्सी की जगह अब मजबूत टाटा सफारी स्टॉर्म (जीएस800), महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक और फोर्स गुर्खा जैसी 4×4 एसयूवी ले रही हैं।

कंपनियों के नतीजे और महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतें भी शेयर बाजार को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बावजूद शानदार बढ़त दर्ज की, जहां सेंसेक्स 78,499.17 और निफ्टी 24,570.65 के नए स्तरों पर बंद हुए। अब निवेशकों की निगाहें इस सप्ताह कई घरेलू और वैश्विक कारकों पर टिकी हैं, जो बाजार की अगली चाल तय करेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और भू-राजनीतिक तनाव अहम भूमिका निभाएंगे। इस हफ्ते कई बड़ी कंपनियां अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। इनमें टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचएएल, भारत फोर्ज और ग्रासिम इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज फर्में शामिल हैं। कंपनियों के मुनाफे, बिक्री और भविष्य के अनुमानों पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बेहतर प्रदर्शन बाजार को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा सकता है, जबकि कमजोर नतीजे दबाव बना सकते हैं। 12 अगस्त को जुलाई माह के खुदरा महंगाई (सीपीआई) आंकड़े जारी होंगे, जिनके साथ थोक महंगाई और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा पर भी नजर रहेगी। महंगाई के आंकड़े इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी ब्याज दरों की नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। महंगाई में कमी से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ेगी, जो बाजार के लिए सकारात्मक होगी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में चल रहा तनाव एक बड़ा वैश्विक ट्रिगर बना हुआ है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं। तनाव में कमी से वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, जबकि किसी भी वृद्धि से शेयर बाजारों पर दबाव बढ़ सकता है।

हुडको का ऋण पोर्टफोलियो 2 लाख करोड़ के पार

अगले वित्त वर्ष में विस्तार हेतु घरेलू-विदेशी बाजारों से जुटाएगी बड़ी पूंजी

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र के अवसंरचना वित्तपोषण संस्थान हुडको ने चालू वित्त वर्ष में अपने ऋण पोर्टफोलियो के 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान जताया है। कंपनी अगले वित्त वर्ष में अपने विस्तार के लिए 75,000 करोड़ रुपए जुटाने की बड़ी योजना पर काम कर रही है, जो उसकी बढ़ती परिसंपत्तियों को वित्तपोषित करेगी। हुडको के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में 1.62 लाख करोड़ रुपए रहा ऋण पोर्टफोलियो, मजबूत मांग के चलते इस वित्त वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में घरेलू और विदेशी बाजारों से कुल 75,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई है। इसमें से 20,000 करोड़ रुपए पहली तिमाही में जुटाए जा चुके हैं, जबकि शेष 55,000 करोड़ रुपए अगली तीन तिमाहियों में आएंगे। धन जुटाने के लिए 'कैपिटल गेन' बॉन्ड (1,000 करोड़ रुपए तक) और गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जैसे माध्यमों का उपयोग होगा। चालू वित्त वर्ष के लिए हुडको का लक्ष्य 65,000 करोड़ रुपए के कर्ज वितरण का है।

बीते सप्ताह सोना 6,000 से ज्यादा उछला, चांदी 2.3 लाख के पार

कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी से सोना-चांदी हुई महंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय सर्राफा बाजार में यह हफ्ता सोने और चांदी के लिए रिकॉर्ड तेजी लेकर आया। वैश्विक बाजार में कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी के चलते एक ही हफ्ते में सोने का दाम 6,000 रुपए से अधिक और चांदी 13,000 रुपए से ज्यादा चढ़ गई। इस जोरदार उछाल से निवेशकों में खुशी है, वहीं खरीदारों को अब अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक 24 कैरेट सोना इस हफ्ते 6,761 रुपये महंगा होकर 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। पिछले हफ्ते यह 1,42,860 रुपए प्रति 10 ग्राम था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,400 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। गहने बनाने में इस्तेमाल होने वाला 22 कैरेट सोना भी 6,093 रुपए बढ़कर 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। चांदी की कीमतों में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। चांदी का दाम 13,086 रुपए बढ़कर 2,31,381 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, जो कि पहले 2,18,295 प्रति किलो था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी 63 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गई है। विशेषज्ञों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम हुई है। इसी के साथ डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं में निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे इनकी कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

सेंसेक्स की 10 में से चार प्रमुख कंप नियों का बाजार पूंजीकरण 1.43 लाख करोड़ बढ़ा

रिलायंस, टीसीएस व एलएंडटी भी फायदे में, जबकि एचडीएफसी बैंक और एलआईसी को नुकसान

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में मिलाजुला रुख रहा। जहां एक ओर चार कंपनियों ने सामूहिक रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की, वहीं छह अन्य कंपनियों को लगभग 1.23 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को इस दौरान सबसे अधिक लाभ हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने निवेशकों का विश्वास जीता और इसका बाजार पूंजीकरण 63,922 करोड़ रुपये बढ़कर 10.11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज भी मजबूत रही, जिसका बाजार मूल्यांकन 32,816 करोड़ रुपये बढ़कर 18.01 लाख करोड़ रुपये रहा और वह शीर्ष पर कायम रही। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 31,875 करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की, जबकि इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 14,637 करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हुआ। हालांकि, इन सकारात्मक रुझानों के बावजूद कुछ प्रमुख वित्तीय संस्थाओं और उपभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को सर्वाधिक 40,543 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट का सामना करना पड़ा, जिससे इसका मूल्यांकन घटकर 4.96 लाख करोड़ रुपये रह गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत में भी 37,168 करोड़ रुपये की कमी आई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 24,183 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 9,507 करोड़ रुपये घटा।

भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर को भी क्रमशः 7,581 करोड़ रुपये और 4,793 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सप्ताह के अंत में बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी हुई है, जिसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025-26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात, किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है।

भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

अल नीनो से भारत स हित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर महंगाई का खतरा- एसएंडपी

खाद्य महंगाई, कृषि उत्पादन में कमी और जलविद्युत पर असर की आशंका

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगाह किया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र, विशेषकर भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपीन, 2026 में शुरू होने वाले अल नीनो के कारण बढ़ती कीमतों के बीच मौसम संबंधी आपूर्ति झटकों के प्रति संवेदनशील हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है, हालांकि व्यापक प्रभाव प्रबंधन योग्य रहने की उम्मीद है। एसएंडपी के अनुसार अल नीनो से कृषि उत्पादन में कमी, खाद्य महंगाई में वृद्धि और जलविद्युत उत्पादन में गिरावट आ सकती है, जिससे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया विशेष रूप से प्रभावित होंगे। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने अगस्त से अक्टूबर के बीच मजबूत अल नीनो की आशंका जताई है। भारत के पास जुलाई 2026 तक पर्याप्त खाद्य भंडार हैं और जिला स्तर पर किसानों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अन्य एशियाई देशों ने भी खाद्य भंडार बढ़ाने, आयात योजना में सुधार और सिंचाई ढांचे में निवेश जैसे कदम उठाए हैं। हालांकि, कृषि पर अधिक निर्भर अर्थव्यवस्थाएं और खाद्य आयात पर निर्भर उपभोक्ता गंभीर प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहेंगे।

बीते सप्ताह सस्ते हुए सोयाबीन और पाम तेल, सरसों और बिनौला में उछाल

सोयाबीन-पाम तेल में लागत से कम दाम पर बिकवाली

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के चलते सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन में गिरावट आई, जबकि त्योहारी मांग और कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल में मामूली तेजी दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातक बैंकों में अपना कर्ज (एलसी) घुमाने के दबाव में माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं। विदेशों में कीमतें अधिक होने के बावजूद इस प्रकार की बिकवाली से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट देखने को मिली। कामकाज कुछ कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी मामूली कमजोर रहे। दूसरी ओर, कम आवक और आगामी त्योहारी मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता और बड़ी ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के चलते बिनौला तेल के दामों में मामूली तेजी देखी गई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि भारत जैसे खाद्य तेल आयात पर निर्भर देश में लागत से कम दाम पर खाद्य तेलों की बिकवाली बैंकों और किसानों के लिए गंभीर चुनौती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 50 रुपये के सुधार के साथ 16,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,730-2,830 रुपये और 2,730-2,880 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

एनसीएलएटी में 'लॉग 9' की याचिका खारिज

100 ईवी की बरामदगी में सहयोग का आदेश बरकरार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने दिवाला प्रक्रिया में फंसी लॉग 9 मोबिलिटी के दो निलंबित निदेशकों को बड़ा झटका दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज से पट्टे पर लिए गए 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की पहचान और बरामदगी में सहयोग करने का निर्देश दिया गया था।एनसीएलएटी ने इन निदेशकों की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने अहमदाबाद स्थित एनसीएलटी पीठ के 21 जुलाई के आदेश को चुनौती दी थी। एनसीएलटी ने लॉग 9 मोबिलिटी के दोनों निलंबित निदेशकों को जेनसोल ईवी लीज के कार्यालय में उपस्थित होकर फरीदाबाद स्थित लॉग 9 मोबिलिटी के परिसर से 100 ईवी की पहचान और बरामदगी के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया था। निदेशकों ने तर्क दिया था कि जेनसोल के साथ उनका कोई सीधा अनुबंध नहीं है और एनसीएलटी को किसी अन्य कॉरपोरेट देनदार की निलंबित प्रबंधन टीम के अधिकारियों को ऐसे निर्देश देने का अधिकार नहीं है। हालांकि, एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने इन दलीलों को खारिज कर दिया।

न्यायाधिकरण ने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 60(5) के तहत एनसीएलटी के पास व्यापक अधिकार हैं और वह ऐसे मामलों में आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने यह भी उल्लेख किया कि निदेशकों का मौजूदा रुख उनके ही पहले के बयान से मेल नहीं खाता। उन्होंने एनसीएलटी के समक्ष पहले ही स्वीकार किया था कि वाहनों के भंडारण, बरामदगी की स्थिति और उनके स्थान समेत विस्तृत जानकारी लॉग 9 के समाधान पेशेवर को उपलब्ध कराई गई थी। लॉग 9 मोबिलिटी का प्रबंधन 15 सितंबर, 2025 को कंपनी के कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था।

भारतीय मखाना वैश्विक बाजारों में छाया, बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025-26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात, किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

यूपीआई लेनदेन आम जनता के लिए मुफ्त, सरकार ने आरोपों को किया खारिज

बड़े व्यापारियों पर ही लग सकता है एमडीआर

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान करने वाले करोड़ों भारतीयों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए आम लोगों द्वारा किए जाने वाले लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें किसी बाहरी दबाव के चलते यूपीआई नीतियों में बदलाव की बात कही जा रही थी। व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) भुगतान भी पहले की तरह निःशुल्क जारी रहेगा। सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले आम ग्राहकों से कोई ट्रांजैक्शन चार्ज नहीं लिया जाएगा। भविष्य में अगर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होता भी है, तो इसका असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। यह केवल कुछ बड़े कारोबारियों के चुनिंदा ट्रांजैक्शन पर ही लगाया जाएगा, जिसकी दर क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर लगने वाले एमडीआर के मुकाबले काफी कम और मामूली होगी। एमडीआर कब और कितना लगाया जाए, इसका फैसला नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी करेगी। इसके लिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी, जिसका उद्देश्य यूपीआई तकनीक को बेहतर बनाना और भुगतान प्रणाली को मजबूत करना है। डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्री का मानना है कि थ्रेशोल्ड का मतलब है कि भविष्य में एमडीआर सिर्फ ज्यादा टर्नओवर वाले बड़े व्यापारियों पर ही लगाया जाएगा। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने पहले भी बड़े व्यापारियों के लिए 0.3 फीसदी की मामूली एमडीआर दर लागू करने का सुझाव दिया था। पीसीआई के अनुसार, देश के लगभग 90 फीसदी छोटे व्यापारी (सालाना टर्नओवर 20 लाख से कम) इससे प्रभावित नहीं होंगे। करीब 50 लाख बड़े कारोबारी, जो पहले से ही कार्ड पेमेंट पर 0.9 से 2 फीसदी तक एमडीआर देते हैं, वे ही इसके दायरे में आ सकते हैं। हाल ही में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी यूपीआई पर एमडीआर लगाने की चर्चा को समय से पहले बताया था, उनके मुताबिक रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम को मजबूत करने के लिए निरंतर निवेश की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

मोहम्मद अशफाक ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर बनाई फाइनल में जगह

यूजीन। भारत के मोहम्मद अशफाक ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 का नेशनल रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया। 19 साल के अशफाक ने हीट 5 में 45.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में हुई अंडर 20 फेडरेशन कप में बनाए अपने ही 46.05 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा।

सेमीफाइनल हीट 3 में, अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अशफाक के साथी खिलाड़ी पीयूष राज हीट 6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल राउंड में जगह बनाने से चूक गए। पुरुषों की हाई जंप में, बसंत ने 2.14 मीटर की जंप के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर रहे। के. अम्ब्रीश 2.05 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ क्वालिफिकेशन ग्रुप बी में 12वें स्थान पर रहे और क्वालिफाई नहीं कर पाए। गौरतलब है कि किसी भी ग्रुप का कोई भी एथलीट 2.21 मीटर का ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क पार नहीं कर पाया। महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में, अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने 15.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो की, जो फाइनल क्वालिफिकेशन कटऑफ से 21 सेंटीमीटर कम थी। इस तरह वह ग्रुप ए में 9वें और क्वालिफिकेशन राउंड में कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहीं। भारत की तनु चौधरी को महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स हीट में निराशा हाथ लगी। वह 1:00.03 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। पुरुषों की 400 मीटर हर्डल्स में, अमित कुमार हीट में 54.01 सेकंड के समय के साथ सबसे पीछे रहे। पुरुषों की ट्रिपल जंप क्वालिफिकेशन में, धनुष राज और पी. रॉयशन फाइनल में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने क्रमशः 14.71 मीटर और 15.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की। इस बीच, अमानत कंबोज ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में 53.24 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया।

सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर इस टीम से जुड़े; लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मर्सीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता। लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई।

संन्यास के बाद भी बरकरार सचिन का जलवा भारत के शीर्ष-पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट से संन्यास लिए एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सचिन तेंदुलकर की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। क्रोल इंडिया सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन 2025 रिपोर्ट के अनुसार, सचिन 125.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ भारत के शीर्ष पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में अपनी जगह बनाए हुए हैं। वह देश के इकलौते रिटायर्ड खिलाड़ी हैं, जो लगातार भारत के शीर्ष-10 सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल हैं।

ब्रांड्स की पहली पसंद बने हुए हैं सचिन

रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर की विश्वसनीय छवि, ईमानदारी और वर्षों से बनी प्रतिष्ठा उन्हें आज भी विभिन्न क्षेत्रों के बड़े ब्रांड्स के लिए आकर्षक चेहरा बनाए हुए है। यही वजह है कि रिटायरमेंट के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है और कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

क्रिकेट में बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 34,357 रन दर्ज हैं। टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। दिलचस्प बात यह है कि वनडे क्रिकेट में उनका पहला शतक 79वें मैच में आया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

कायम हैं कई बड़े कीर्तिमान

मास्टर ब्लास्टर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 15921 रन, 51 शतक और 2058 चौके लगाए। वह सिर्फ 300 पारियों में 15000 टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।वनडे क्रिकेट में सचिन का करियर 22 साल 91 दिन तक चला, जो इस प्रारूप के सबसे लंबे करियर में से एक है। वर्ष 1998 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,894 रन और नौ शतक लगाए, जो आज भी रिकॉर्ड है। इसके अलावा उनके नाम वनडे में सबसे ज्यादा 145 अर्धशतक, 2,016 चौके और सिर्फ 440 पारियों में सबसे तेज 18,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन की तरह ही सचिन तेंदुलकर का ब्रांड प्रभाव भी आज तक कायम है।

वार्म-अप मैच से पहले बड़ा झटका, शुभमन चोटिल

पहले दिन नहीं करेंगे फील्डिंग, राहुल संभाल रहे कप्तानी

कोलंबो। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है।

बीसीसीआई ने दिया अपडेट

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। सावधानी के तौर पर वह वार्म-अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।' बोर्ड ने यह भी बताया कि गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे।

कोलंबो में खेला जा रहा अभ्यास मैच

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हालांकि, अगर आज भारतीय टीम की बल्लेबाजी आती है तो गिल इसके लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

भारत के लिए यह चोट चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि कप्तान जल्द पूरी तरह फिट होकर सीरीज के पहले टेस्ट तक उपलब्ध हो जाएं। जसप्रीत बुमराह पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि साई सुदर्शन को अभी तक फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिला है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

चयनकर्ता नॉर्थ ने बताई जो रूट को टेस्ट कप्तान बनाने की वजह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने खुलासा किया है कि बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को नहीं, बल्कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को सौंपने का फैसला क्यों लिया गया। उनका कहना है कि चयन समिति हैरी ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहती थी।

हैरी ब्रूक पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं डालना चाहता था बोर्ड

35 वर्षीय जो रूट इससे पहले भी इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि 27 वर्षीय हैरी ब्रूक फिलहाल वनडे और टी20 टीम के कप्तान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चयनकर्ताओं का मानना था कि ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का बोझ डालना फिलहाल सही फैसला नहीं होगा। इसी वजह से अनुभवी जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई।

तीनों फॉर्मेट की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी चुनौती

मार्कस नॉर्थ ने गुरुवार को स्थानीय मीडिया से कहा कि हैरी ब्रूक तीनों प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अहम खिलाड़ी हैं और सीमित ओवरों की कप्तानी में लगातार परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक हमारे लिए तीनों प्रारूपों में शानदार खिलाड़ी रहे हैं। वह टीम का बेहद अहम हिस्सा हैं। उनकी कप्तानी हर सीरीज के साथ बेहतर होती जा रही है। इस गर्मी में हमारी टी20 टीम दुनिया की नंबर-1 टीम बनी, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।'नॉर्थ ने आगे कहा, 'अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह ब्रेंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम पर पूरा फोकस कर रहे हैं। ऐसे में तीनों प्रारूपों की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है।'

टेस्ट कप्तान बन सकते हैं हैरी ब्रूक

हालांकि, नॉर्थ ने साफ किया कि हैरी ब्रूक को भविष्य की टेस्ट कप्तानी की दौड़ से बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि हैरी का समय भी आएगा। लेकिन फिलहाल हमारे पास जो रूट जैसा अनुभवी खिलाड़ी है, जो इस भूमिका को बखूबी निभा सकता है। वहीं, हैरी ब्रूक और ब्रेंडन मैकुलम सीमित ओवरों की टीम पर अपना पूरा ध्यान दे सकेंगे।'

पहली बार बने थे टेस्ट कप्तान

जो रूट पहली बार 2017 में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने थे। उन्होंने रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और 28 मुकाबलों में जीत दिलाई। अप्रैल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। अब बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद एक बार फिर उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है।

प्रज्ञानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

आखिरी मुकाबला रहा ड्रॉ, फिर भी बने चैंपियन

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रैंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत ड्रॉ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रैंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 पॉइंट हासिल करके चैंपियनशिप को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 पॉइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लेवोन अरोनियन 19 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डोमिंग्वेज और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट 17 पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानंद को बिना किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रैंड चेस टूर पॉइंट मिले। इस नतीजे से प्रज्ञानानंद सिंकफील्ड कप से पहले ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में सबसे आगे हैं।

प्रज्ञानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए और 1.5 प्वाइंट के अंतर से उपविजेता रहे। जून में, प्रज्ञानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं।

सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से सात अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में दस बेहतरीन ग्रैंडमास्टर शामिल हुए। पांच दिनों के खेल में, खिलाड़ियों ने 9 रैपिड राउंड और 18 ब्लिट्ज राउंड खेले। इस दौरान कुल मिलाकर 135 गेम हुए, जिनमें सिंकफील्ड कप और जीसीटी ग्रैंड फाइनल से पहले महत्वपूर्ण टूर पॉइंट दांव पर थे।

इस टूर्नामेंट में दो तेज गति वाले फॉर्मेट शामिल रहे। नौ-राउंड का सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड टूर्नामेंट (जो 25 मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही 10-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है) और 18-राउंड का डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज टूर्नामेंट (जो पांच मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही दो-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है)। रैपिड में जीत पर दो पॉइंट और ड्रॉ पर एक पॉइंट मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर एक पॉइंट और ड्रॉ पर 0.5 पॉइंट मिलता है।

संन्यास के बाद रहाणे की नई शुरुआत, यूरोपीय टी-20 लीग में बने मार्की प्लेयर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।रहाणे को यूरोप की पहली आईसीसी-सैंक्शन प्राप्त टी20 लीग यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए एम्सटर्डम फ्लेम्स का मार्की प्लेयर बनाया गया है। लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा, जिसमें छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी 33 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। रहाणे ने 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह नई भूमिका में यूरोपीय क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोप क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और वह इस क्षेत्र में खेल के विकास में योगदान देना चाहते हैं। एम्सटर्डम फ्लेम्स के सह-संस्थापक और मुख्य क्रिकेट अधिकारी तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने रहाणे का स्वागत करते हुए उनके कौशल, धैर्य, विनम्रता और नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रहाणे का अनुभव और व्यक्तित्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

'मुझे कोई पछतावा नहीं'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर रहाणे ने कहा कि उन्होंने करीब एक महीने तक इस फैसले पर विचार किया था। उन्होंने खुद से बार-बार सवाल किया कि क्या उन्हें किसी चीज का पछतावा है या कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसका जवाब हमेशा नहीं मिला।रहाणे ने कहा, 'मैं अपने फैसले से बहुत खुश हूं। मैंने अपने नियंत्रण में जो कुछ था, उससे भी ज्यादा किया और हर बार अपना 200 प्रतिशत दिया।' उन्होंने कहा कि करियर के अंत में यह महसूस होना कि उन्होंने अपना सब कुछ दे दिया, उनके लिए सबसे अच्छी भावना है।

कोच -मेंटर बनने में भी दिलचस्पी

रहाणे ने भविष्य में कोचिंग और मेंटरशिप की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरने के कारण वह खिलाड़ियों की मानसिकता को अच्छी तरह समझते हैं।उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता क्रिकेट खेलना और दुनिया भर की लीग में अपना अनुभव साझा करना है, लेकिन उन्हें लगता है कि वह आगे चलकर एक अच्छे कोच और मेंटर साबित हो सकते हैं। उनके मुताबिक खिलाड़ियों का प्रबंधन, कोचिंग और मेंटरशिप उनके अनुभव का स्वाभाविक विस्तार होगा।

न करें पैरों को नजरअंदाज

आप अपने चेहरे की सुंदरता के प्रति जितनी जागरूक रहती हैं, परिधानों व एक्सेसरीज का जितना ध्यान रखती हैं, क्या उतना ही ध्यान अपने पैरों पर भी देती हैं? अगर नहीं तो आज से ही उनकी खूबसूरती की ओर ध्यान दें। पैरों की सही देखभाल न करने से त्वचा कडी हो जाती है, इसलिए पहले अपने पैरों की त्वचा को कोमल व मुलायम बनाने के लिए कुछ उपाय अपनाएं :

आराम दें पैरों को

- एक टब में गुनगुना पानी भरें, इसमें एक नीबू का रस और एक कप ओटमील डालकर घोलें। अब इस पानी में 10 मिनट तक पैरों को डुबोएं। इसके बाद हलके हाथों से रगडकर उन्हें साफ पानी से धोएं और पोंछ कर सुखाएं। फुटक्रीम लगाकर हलका मसाज करें।
- 1 कप गर्म दूध में 1 बडा चम्मच सूखा पुदीना पाउडर व 1 छोटा चम्मच रोजमेरी पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण का लेप बनाकर पैरों पर लगाएं। पांच मिनट बाद पानी से अच्छी तरह धो लें। ऐसा करने से त्वचा मुलायम होती है।
- हफ्ते में एक बार पैरों की मालिश अवश्य करें। इसके लिए किसी तेल या फुट क्रीम का प्रयोग कर सकती हैं। ऐसा करने से पैरों की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।
- पैरों की हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए उचित मात्रा में कैल्शियम, फॉस्फोरस तथा विटमिन सी व डी से युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। दूध, दही, पनीर, चीज, हरी सब्जियां व मछली को अपने आहार का हिस्सा बनाएं।
- पैरों की थकान दूर करने के लिए। एक टब में गर्म पानी डालें। साथ ही थोडे मार्बल के टुकडे डालें, जो साफ-सुथरे व चिकने हों। इस पानी में पैर डाल कर पत्थरों को तलुवों से हलका-हलका दबाएं या रोल करें। ऐसा करने से पैरों की नसों का खिंचाव कम होगा, रक्तसंचार बढेगा और उनमें लचीलापन आएगा। दस मिनट बाद ताजे पानी से पैरों को धो लें।
- आधा टब गुनगुने पानी में दो चम्मच फिटकरी पाउडर, 2 चम्मच नमक, 5-6 बूंद लैवेंडर ऑयल और एक चम्मच कोकोनट ऑयल डाल कर अच्छी तरह मिलाएं। फिर उसमें पैरों को कम से कम आधा घंटे डाले रहें। प्यूमिक स्टोन से हलका रगडकर बेजान त्वचा को निकाल दें। इससे पैरों की थकान दूर होती है। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।
- पैरों में रक्तसंचार उचित रूप से हो इसके लिए ठंडे और गर्म पानी का ट्रीटमेंट दें। दो टबों में पानी लें। एक में गर्म और दूसरे में ठंडा। फिर 5-5 मिनट बारी-बारी से गर्म व ठंडे पानी में पैरों को डुबोएं। ऐसा कम से कम 20 मिनट तक करें।

घर पर करें पेडीक्योर

यदि हर हफ्ते पार्लर जाना मुमकिन न हो तो घर पर ही इस तरह पेडीक्योर करें-

- एक टब में गर्म पानी लें। इसमें एक चम्मच सी सॉल्ट व 1 चम्मच ऑलिव ऑयल डालकर पैरों को 20 मिनट तक डुबोएं। तौलिये से रगडकर पोछें ताकि कडी और बेजान त्वचा निकल जाए।
- अब पैरों पर एक्सफोलिएटिंग स्क्रब लगा कर दोबारा रगडें। साफ पानी से धो लें।
- नेल कटर से अपने नाखून तराशें। साथ ही क्यूटिकल्स को एक ऑरेंज स्टिक से पीछे करें। इन्हें काटे नहीं।
- पैरों को साफ तौलिये से सुखाएं फिर फुट क्रीम से अच्छी तरह मसाज करें। पैरों का मसाज हमेशा नीचे से ऊपर की तरफ करें, यानी अंगूठे से टखने तक।
- नाखूनों पर बेस कोट लगाएं। फिर नेल पॉलिश के 2 कोट लगाएं। पहला कोट सूखने पर दूसरा कोट लगाएं।
- नेल पॉलिश लगाते समय प्रत्येक अंगुली के बीच में थोडी रुई का टुकडा रखें ताकि नेल पॉलिश इधर-उधर न लगे।

सुधारें फटी एडियों को

आप चाहे कितनी ही सुंदर क्यों न हों, फटी हुई एडियां आपकी सुंदरता की चुगली कर ही देती हैं। एडियां फटने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे बहुत लंबे समय तक लगातार खडी रहना, मोटापा, खुले जूते या चप्पलों का प्रयोग, रूखी त्वचा, स्वच्छता की तरफ ध्यान न देना आदि। यदि इस ओर थोडा ध्यान दिया जाए तो काफी हद तक एडियों के फटने को नियंत्रित किया जा सकता है। आप इसके लिए यहां दी गई कुछ बातों पर ध्यान दें-

- रोज रात में सोने से पहले एडियों को अच्छी तरह साफ करें।
- गुनगुने पानी में थोडा सा खाने वाला सोडा डालकर पैरों को 10 मिनट तक डुबो कर रखें। साफ पानी से धोकर सुखाएं।
- एडियों पर मॉयस्चराइजिंग क्रीम या फुट क्रीम लगाएं।
- विटमिन ए से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जैसे गाजर, दूध, दही इत्यादि।
- वैसलीन में कुछ बूंदे नीबू के रस की मिलाकर फटी एडियों पर लगाने से वे ठीक हो जाती हैं।
- कोकोनट ऑयल में ग्लिसरीन मिलाकर फटी एडियों पर लगाना लाभकारी होता है।
- यदि फटी एडियों से खून निकलने लगे तो किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें, ताकि संक्रमण से बचा जा सके।

फुटवेयर का चयन

- सफाई के साथ-साथ पैरों की सुंदरता जूतों पर भी काफी निर्भर करती है। उचित फिटिंग के फुटवेयर न पहनने से पैरों में कॉर्न होने का खतरा रहता है।
- मुलायम चमडे या स्वेड के फुटवेयर आरामदायक होते हैं।
- फ्लैट चप्पल के बजाय फोम वाली चप्पल पहनें, ताकि शरीर का वजन न केवल एडियों बल्कि पंजे सहित पूरे तलवे पर पडे।
- जूते चप्पल सदैव दोपहर के समय ही खरीदें, क्योंकि उस समय पैरों का सही आकार होता है। फुटवेयर दोनों पैरों में पहन कर कुछ देर चल कर देखें।
- गलत साइज के फुटवेयर पहनने से पीठ या कमर में दर्द हो सकता है। साथ ही चाल बिगडने का भी डर रहता है।
- डायबिटीज के रोगियों को फुटवेयर खरीदने में सावधानी बरतनी चाहिए। इस रोग में पैर में सूजन आने व फटने की समस्या होती है।

नींबू का अचार

सामग्री : 35 नींबू, 5 कप पानी, 1 टीस्पून हींग, 4 टीस्पून नमक।

पेस्ट के लिए : 30 काली मिर्च के दाने, 2 टीस्पून बड़ी इलायची, 2 टेबलस्पून नमक, 2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टेबलस्पून सफेद जीरा, 1 टीस्पून हींग पाउडर, 15 लौंग, 3 टेबलस्पून शक्कर, 3 टेबलस्पून विनेगर।

विधि : नींबू को धोकर पोंछ लें। पानी उबालें और 25 नींबू को इसमें 2-3 मिनट तक रखें। इन्हें पानी से निकालकर पोंछें और चार टुकड़ों में काट लें। जार को अच्छी तरह सुखाकर इसमें पहले हींग और डेढ़ टेबलस्पून नमक डालें। पेस्ट की सभी सामग्रियों को पीसकर इसे नींबू के टुकड़ों के साथ अच्छी तरह मिक्स कर लें। नींबू के टुकड़ों को जार में भरें। बचे हुए 10 नींबू का रस और नमक को ऊपर से डालें। जार को अच्छी तरह ढंककर धूप दिखाएं। दो हफ्ते बाद इस्तेमाल करें।

जानें अपने लिए सही हेयर कलर

बालों का स्टाइल बदल देने से व्यक्तित्व में गजब का निखार आ जाता है। प्रयोग का जमाना है और ऐसे में हेयर कलर कराना भी युवतियों की जरूरत बन गई है। जिस तरह कोई भी हेयर स्टाइल अपनाने से पहले चेहरे की बनावट और बालों केटेक्सचर का ध्यान रखना जरूरी होता है उसी तरह हेयर कलर कराने से पहले चेहरे और आंखों के रंग का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण होता है। आप को अपने बालों के लिए कैसा कलर चुनना चाहिए, यहां जानें।

- हेयर कलर चुनते समय अपनी त्वचा और आंखों के रंग का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। मसलन अगर आखें भूरी और चेहरे का रंग गहरा है तो बालों का रंग भी गहरा होना चाहिए। जैसे डीप ब्राउन, ब्लैक, चॉकलेट ब्राउन। आंखें नीली और रंग गोरा हो तो हलके हेयर कलर का प्रयोग करें। ध्यान रखें जो भी नया प्रयोग करें उसके लिए-खुद को आत्मविश्वास से भरा रखें।
- अगर आपकी त्वचा पर रैशेज हैं या चेहरे पर जल्दी ही लाली के भाव नजर आ जाते हैं, तो रेड हेयर कलर से बचना चाहिए जैसे बरगंडी, माहोगनी और रेड वाइन।
- अगर चेहरे का गोरापन पीला रंग लिए हुए तो कोल्ड शेड्स जैसे ऐश ग्रे ब्लॉन्ड, रेड वाइन, माहोगनी, अंबर और ब्लैक रंग अच्छे लगेंगे।
- चेहरे का रंग निस्तेज (पीच कलर) हो तो कोल्ड शेड्स इस्तेमाल न करें, बल्कि हनी ब्लॉन्ड, डीप चॉकलेट, जिंजर, रस्टेड डीप ब्राउन रंगों में से कोई भी एक रंग प्रयोग कर सकती हैं।
- अगर आपके चेहरे पर झांइयां हैं, तो आपको अपने बालों के लिए डीप ब्लॉन्ड या ब्रूनेट कलर का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यह कलर सिर्फ निर्दोष त्वचा वाली युवतियों पर ही अच्छा लगता है। अगर आप बडी उम्र की हैं, तो यह रंग आपके चेहरे के दोष को उभारने का काम करेंगे। बेहतरी इसी में होगी कि इन रंगों से बचा जाए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3974

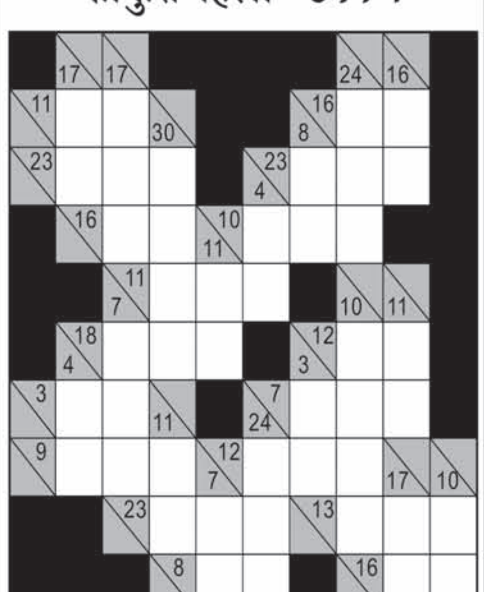

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3973 का हल

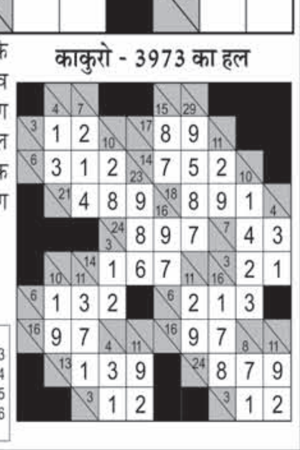

लॉफिंग ज़ोक्स

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3974

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3973

सूडोकु -3974

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3973 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 3974

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -3973 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी